वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 249 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली मंगलवार 1 दिसंबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

किसान आंदोलन जारी, डटे रहे किसान, यातायात प्रभावित

किसानों का प्रदर्शनः दिल्ली-गाजियाबाद बॉर्डर पर लगाए गए कंक्रीट के अवरोधक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 नवंबर । नए कृषि कानून के विरोध में लगातार पांचवें दिन आंदोलन पर बैठे किसानों के साथ गतिरोध को खत्म करने के लिए लगातार दूसरे दिन हाई लेबल मीटिंग हुई है। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित और केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर शामिल हुए हैं।

ऊर से स्पष्ट संदेश है कि कानून किसान विरोधी नहीं है और किसानों को गुमराह किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोहराया कि कानून किसानों के लि बेहतर अवसर प्रदान करेंगे। अधिकारी ने कहा कि सरकार टेबल पर बैठकर नए कृषि कानूनों पर चर्चा करने के लिए तैयार है। नए कृषि सुधार कानूनों के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी दलों पर हमला करते हुए सोमवार को वाराणसी में कहा कि छल का इतिहास रखने वाले लोग नए ट्रेंड के तहत पिछले कुछ समय से सरकार के फैसले पर भ्रम फैला रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के खजूरी गांव में छह लेन मार्ग चौड़ीकरण के लोकार्पण अवसर पर संबोधन में कहा, पहले सरकार का कोई फैसला अगर किसी को पसंद नहीं आता था तो उसका विरोध होता था लेकिन बीते कुछ समय से हमें नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। अब विरोध का आधार फैसला नहीं, बल्कि भ्रम और आशंकाएं फैलाकर उनको आधार बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, दुष्प्रचार किया जाता है कि फैसला तो ठीक है लेकिन पता नहीं इससे आगे चलकर क्या क्या होगा। फिर कहते हैं कि ऐसा होगा जो अभी हुआ ही नहीं है। जो कभी होगा ही नहीं उसको लेकर समाज में भ्रम फैलाया जाता है। ऐतिहासिक कृषि सुधारों के मामले में भी जानबूझकर यही खेल खेला जा रहा है। हमें याद रखना है कि ये वही लोग हैं जिन्होंने दशकों तक किसानों के साथ लगातार छल किया है।

वहीं, भाजपा किसान मोर्चा के प्रमुख राजुकुमार चाहर ने कहा है कि कानूनों को मुश्किल से लागू किया गया है और उनके प्रभाव का अभी तक पता नहीं चल पाया है, इसलिए लोग इन किसानों को विरोधी कैसे कह सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान निर्दोष हैं और निहित स्वार्थ

वालों द्वारा उन्हें गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मोर्चा की पंजाब इकाई किसानों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर रही है।

केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान प्रदर्शनकारियों की संख्या बढ़ने के बीच उत्तर प्रदेश से लगते दिल्लीगाजियाबाद बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा मजबूत कर दी है और कंक्रीट के अवरोधक लगा दिए हैं। वहीं, हजारों किसान सोमवार को दिल्लीहरियाणा बॉर्डर पर पांचवें दिन भी डटे रहे। राष्ट्रीय राजधानी को दूसरे हिस्सों से जोड़ने वाले कई अन्य राजमार्गों को भी अवरुद्ध करने की किसानों की चेतावनी के बीच सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सिंघू और टीकरी बॉर्डर दोनों जगह शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन जारी है तथा पिछले दो दिन से किसी अप्रिय घटना की कोई खबर नहीं मिली है, लेकिन पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश से और किसानों के पहुंचने से गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों की संख्या बढ़ गई है। प्रदर्शनकारियों ने उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी स्थित मैदान में जाने के बाद बातचीत शुरू करने के केन्द्र के प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए कहा है कि वे कोई सशर्त बातचीत स्वीकार नहीं करेंगे।

इसके बाद उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए एक बैठक बुलाई। वहीं, शनिवार को बुराड़ी के निरंकारी समागम मैदान पहुंचे किसानों का प्रदर्शन वहां जारी है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि यूपी गेट के पास गाजीपुर बॉर्डर पर स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''प्रदर्शनकारी किसानों को राष्ट्रीय राजधानी में घुसने से रोकने के लिए सीमेंट के अवरोधक लगाए गए हैं।'' अधिकारी ने कहा, ''प्रदर्शनकारी बुराड़ी मैदान नहीं जाना चाहते और अपना प्रदर्शन जंतरमंतर पर करना चाहते हैं।''

पुलिस ने हालांकि कहा कि दिल्ली गाजियाबाद बॉर्डर को सील नहीं किया गया है। पांच दिन से टीकरी बॉर्डर पर प्रदर्शन में शामिल सुखविंदर सिंह ने कहा कि किसान दिल्ली की सीमाओं पर अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे क्योंकि वे बुराड़ी मैदान नहीं जाना चाहते। सिंह ने कहा, ''कम से कम छह महीने तक रहने के लिए हमारे पास पर्याप्त राशन है। हम बुराड़ी नहीं जाना चाहते।

शहला राशिद एंटी नेशनल गतिविधियों में शामिल, पिता ने DGP को लिखा लेटर

(विशेष संवाददाता)

श्रीनगर । जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) की पूर्व छात्रनेता शहला राशिद पर उनके पिता अब्दुल राशिद शोरा ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। शहला के पिता ने दावा किया है कि उनकी बेटी एंटी नेशनल गतिविधियों में शामिल है। उन्होंने अपने लिए तुरंत सिक्योरिटी कवर की मांग करते हुए जम्मूकश्मीर डीजीपी को एक लेटर भी लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अपनी बेटियों शहला राशिद, अस्मा और पत्नी जुबैदा शोरा से खुद की जान को खतरा बताया है।

इसके साथ ही, अब्दुल ने जेएनयू की घटना पर कहा कि यह पूरा खेल फंड का है। वहीं, शहला राशिद ने अपने पिता के दावों को खारिज करते हुए उनपर अपनी पत्नी को प्रताड़ित करने के आरोप लगाए। शहला राशिद के पिता अब्दुल शोरा ने दावा किया कि उनकी बेटी ने जम्मू कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट के लिए तीन करोड़ रुपये लिए। उन्होंने शहला

राशिद पर कहा कि वह एनजीओ भी चलाती है और उन एनजीओ की भी जांच होनी चाहिए। लीगल डॉक्युमेंट्स में वह अपने आपको बेरोजगार बताती है, तो ऐसे में पैसा कहां से आएगा। उसकी जांच होनी चाहिए। सभी को पता चल जाएगा कि फंडिंग कहां से आ रही है और क्यों आ रही है। उन्होंने आगे कहा कि मैंने तीन साल इसको (शहला राशिद) समझाया।

वहीं, शहला राशिद ने अपने पिता के आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा, आप में से कई लोगों ने मेरे पिता द्वारा मुझपर, मेरी बहन और मां पर लगाए गए आरोपों वाले वीडियो को देखा होगा। छोटा और साफतौर पर बताते हुए कहूं तो वे अपनी पत्नी को पीटने वाले, अपमानजनक शख्स हैं। हमने आखिरकार, उनके खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला लिया है और यह स्टंट उसी का रिएक्शन है।

उन्होंने कहा कि जेएनयू में जो नारे लगाए जाते हैं, उसे नहीं लगाने चाहिए। यह पूरा खेल फंड का है। उन्होंने कहा कि हमने शहला राशिद के लिए तीन करोड़ रुपये रखे हैं।

भारत में कोविड के 38,772 नए मामले कुल मामले 94.31 लाख के पार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 नवंबर । भारत में इस महीने सातवीं बार एक दिन में कोविड19 के 40,000 से कम मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 94.31 लाख से अधिक हो गए, जिनमें से 88,47,600 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार एक दिन में 38,772 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 94,31,691 हो गए। वहीं 443 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,37,139 हो गई। उसने बताया कि देश में कुल 88,47,600 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के बाद मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 93.81 प्रतिशत हो गई। वहीं कोविड19 से मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत है। देश में लगातार 20वें दिन भी उपचाराधीन लोगों की संख्या पांच लाख से कम है। आंकड़ों के अनुसार देश में अभी 4,46,952 लोगों का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 4.74 प्रतिशत है। भारत में सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख के पार चली गई थी। वहीं, कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवम्बर को 90 लाख के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार 29 नवम्बर तक 14,03,79,976 नमूनों की कोविड 19 संबंधी जांच की गई, जिनमें से 8,76,173 नमूनों का परीक्षण रविवार को ही किया गया। आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में जिन 443 लोगों की मौत हुई, उनमें से महाराष्ट्र के 85, दिल्ली के 68 , पश्चिम बंगाल के 54, केरल के 27, हरियाणा के 26 और उत्तर प्रदेश के 24 लोग थे।

दिल्ली में अब केवल 800 रुपये में होगा आरटी-पीसीआर टेस्ट

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 नवंबर । दिल्ली में बड़े कोरोना संक्रमण के बीच दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला किया है। सरकार के फैसले के बाद दिल्ली में आरटीपीसीआर जांच कराना अब सस्ता हो जाएगा। दिल्ली में अब यह जांच महज 800 रूपये में होगा। सोमवार को दिल्ली सरकार की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है।

दिल्ली के सभी निजी लैब, अस्पताल में यह नई दरें लागू होगी। सोमवार सुबह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट करके स्वास्थ्य मंत्री को दरें कम करने का निर्देश दिए। अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट करके कहा कि दिल्ली में आरटीपीसीआर जांच की दरें घटाई जाएं। हालांकि दिल्ली सरकार के अपने स्वास्थ्य केंद्रों पर यह जांच मुफ्त हो रही है। मगर दरें घटाने से निजी लैब में जांच कराने वालों को फायदा होगा। उनके उस ट्वीट पर तुरंत स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि हम तुरंत इसपर आदेश जारी किया। अगर लैब

घर जाकर सैंपल लेते हैं तो उसके लिए जांच कराने वालों को 1200 रुपये चुकाने होंगे।

दिल्ली में अभी तक आरटीपीसीआर जांच 2400 रुपये में होता था जो कि सबसे महंगा था। कई राज्यों में यह दरें जहां शुरुआती जांच दरें 4500 से कम होकर एक हजार रुपये के नीचे पहुंच गई थी। वहीं दिल्ली में संक्रमण दर पीक पर जाने के बाद भी यह दरें 2400 रुपये थीं। अब जब दरें घटाने का आदेश जारी कर दिया गया है।

राजस्थान को छोड़ दे तो देश के दूसरे सभी बड़े राज्यों से दिल्ली में सबसे सस्ती जांच हो गई है। राजस्थान में कोरोना जांच 800 रूपये में होती है। एनसीआर के शहरों में दिल्ली में सबसे सस्ता जांच होगा।

एक और चक्रवाती तूफान का पूर्वानुमान तमिलनाडु-केरल में होगी भारी बारिश

(विशेष संवाददाता)

चेन्नई । भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर सोमवार को कम दबाव का क्षेत्र बना और इसके गहरे कम दबाव के क्षेत्र में तब्दील होने की संभावना है और आगे जाकर यह चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इस वजह से दो और तीन दिसंबर के बीच दक्षिणी तमिलनाडु और दक्षिणी केरल में भारी बारिश का अंदेशा है।

आईएमडी ने बताया कि तूफान दो दिसंबर की शाम या रात में श्रीलंका के तट को पार कर सकता है और फिर यह अगली सुबह में कोमोरिन क्षेत्रतमिलनाडु में कन्याकुमारी के पास में उभरेगा। विभाग ने अपने ताजे बुलेटिन में कहा कि इसके प्रभाव से तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे, लक्ष्यद्वीप, आंध्र प्रदेश में एक से चार दिसंबर के बीच बारिश होने के आसार हैं।

इन सभी क्षेत्रों में कुछ में सोमवार को भी बारिश होने की संभावना है। दक्षिणी तमिलनाडु और दक्षिणी केरल के कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है और तीन दिसंबर को अलग अलग इलाकों में मूसलाधार बारिश का अनुमान है। आईएमडी ने बताया कि दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर सोमवार को एक दबाव का क्षेत्र बना है। यह पश्चिमउत्तर पश्चिम की ओर बढ़ा है। उसने बताया कि इसके अगले 12 घंटे में गहरे कम दबाव के क्षेत्र में बदलने और उसके बाद के अगले 24 घंटे में चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। दो दिसंबर की पूर्वाह्न से कोमोरिन क्षेत्र, मन्नार की खाड़ी और दक्षिण तमिलनाडुकेरल में तेज हवाएं चलने की संभावना है और समंदर के अशांत रहने की अनुमान है।

विभाग ने इसके प्रभाव में आने वाले सभी क्षेत्रों में सोमवार से चार दिसंबर तक मछली पकड़ने की सभी गतिविधियों को बंद करने की सलाह दी है।

राशन कार्ड के लंबित आवेदन पर जल्द निर्णय करे सरकारः कोर्ट

नई दिल्ली । उच्च न्यायालय ने केजरीवाल सरकार को राजधानी में लोगों को राशन कार्ड जारी करने के लिए आवेदन पर त्वरित कदम उठाने का आदेश दिया है। न्यायालय ने कहा है कि राशन कार्ड जारी करने के मसले को लंबे समय तक लंबित नहीं रखा जा सकता है, क्योंकि सस्ती दरों पर अनाज प्राप्त करने के लिए यह महत्वपूर्ण दस्तावेज है।

जस्टिस नवीन चावला ने दो महिलाओं की ओर से दाखिल अलग अलग याचिकाओं पर सरकार को यह आदेश दिया है। महिलाओं की ओर से दाखिल याचिकाओं में सस्ती दरों पर अनाज पाने के लिए राशन कार्ड जारी करने को लेकर सरकार को आदेश देने की मांग की गई थी। महिलाओं की ओर से अधिवक्ता तुषार सानू दहिया ने न्यायालय को बताया कि राशन कार्ड के लिए उनके मुवक्किलों के आवेदन दो साल से ज्यादा समय से लंबित हैं। इस पर अदालत ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। न्यायालय ने कहा कि राशन कार्ड बनावाने के लिए जारी आवेदन को इतने लंबे समय तक विचाराधीन नहीं रखा जा सकता। उच्च न्यायालय ने कहा है कि याचिकाकर्ताओं के आवेदन पिछले दो साल से अधिक समय से विचाराधीन हैं और यह चिंता की बात है। न्यायालय ने सरकार से कहा कि सिर्फ याचिकाकर्ताओं के ही नहीं बल्कि उन सभी आवेदनों पर भी तेजी से कदम उठाने का निर्देश दिया जाता है जो लंबित है।

दिल्ली के तिहाड़ जेल में कैदी की चाकू मारकर हत्या

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली के तिहाड़ जेल में सोमवार की सुबह एक कैदी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि मामूली विवाद में एक कैदी की अन्य कैदी को चाकू मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। जेल नंबर 3 में कैदी की हत्या से जेल प्रशासन समेत यहां पर बंद अन्य कैदियों के बीच सनसनी फैल गई।

देश की सबसे हाई सिक्योरिटी जेल में मशहूर तिहाड़ जेल में अंडर ट्रायल कैदी दिलशेर तिहाड़ (23 वर्ष) की जेल संख्या3 में कैद था। आज सुबह 3 अन्य कैदियों ने जानलेवा हमला कर उसकी हत्या कर दी। जेल प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है। बताया जा रहा है कि दिलशेर हत्या समेत कई अन्य आपराधिक मामलों का आरोपी था और उसके ऊपर लगे मामलों की सुनवाई चल ही रही थी। आपको बता दें कि तिहाड़ जेल में देश के सर्वाधिक चर्चित मामलों के आरोपियों समेत कई अन्य आपराधिक केस में सजा भुगत रहे कैदियों को भी रखा जाता है। इसे देश की सबसे हाई सिक्योरिटी जेल के रूप में जाना पहचाना जाता है। लेकिन जेल के अंदर कैदी की उसके ही साथियों द्वारा हत्या किए जाने के बाद जेल प्रशासन के ऊपर सवाल उठने लगे हैं। दिलशेर की हत्या उसके ही वार्ड में रहने वाले 3 अन्य कैदियों ने की है।

पीएम मोदी ने कोविड का टीका बना रही तीन कम्पनियों की टीम से की बात

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 30 नवंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड19 के टीके को विकसित कर रही और उसका विनिर्माण कर रही तीन टीमों के साथ सोमवार को एक ऑनलाइन बैठक की।

मोदी ने कंपनियों को सुझाव दिया कि वे लोगों को कोविड19 टीके के प्रभावी होने समेत इससे जुड़े अन्य मामलों को सरल भाषा में सूचित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें। मोदी ने कम्पनियों से विनियामक प्रक्रिया पर सुझाव देने की बात कहते हुए, सम्बंधित विभागों को मुद्दे सुलझाने के लिए उनके साथ काम करने की भी सलाह दी।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को एक ट्वीट में बताया था कि मोदी 'जेनोवा बायोफार्मा', 'बायोलॉजिकल ई' और 'डॉ रेड्डीज' की टीमों के साथ बैठक करेंगे। पीएमओ ने कहा था, ' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोविड19 का

टीका विकसित करने में शामिल तीन टीमों से कल, 30 नवम्बर 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बातचीत करेंगे। जिन टीमों से वह बात करेंगे उनमें जेनोवा बायोफार्मा, बायोलॉजिकल ई और डॉ रेड्डीज शामिल हैं।' मोदी ने शनिवार को अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे की यात्रा भी की थी। उन्होंने इन शहरों में कोरोना वायरस टीके के विकास और विनिर्माण प्रक्रिया की समीक्षा की थी। सूत्रों ने बताया कि कोविड19 महामारी शुरू होने के बाद से यह दूसरी बार है जब सरकार ने कोरोना वायरस से उत्पन्न हालात पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन सहित सरकार के शीर्ष मंत्रियों के बैठक में शामिल होने की उम्मीद है।

संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी और मंत्रालय के राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल के भी बैठक में शामिल होने की उम्मीद है।

सर्वदलीय बैठक ऐसे समय हो रही है जब दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर संसद के शीतकालीन सत्र को बजट सत्र से मिलाने की उम्मीद की जा रही है। कोविड19 टीके के विकास के लिए हो रहे कार्य की समीक्षा के बाद सरकार ने यह बैठक बुलाई है।

किसान संगठनों ने वार्ता की पेशकश का नहीं दिया जवाब, किसानों की चुप्पी से बढ़ी आशंकाएं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। कृषि सुधार की दिशा में संसद से पारित कानून को लेकर दिल्ली पहुंचे किसानों के आंदोलन पर सरकार गंभीर है, लेकिन किसान संगठनों की चुप्पी से कई तरह की आशंकाएं बढ़ने लगी हैं। मसले को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर केंद्रीय मंत्रियों की बैठक में सोमवार को इस पर विचार किया गया। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि किसान संगठनों को वार्ता के लिए पहले ही आमंत्रित किया गया है, लेकिन उनकी ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं आया है।

तोमर ने कहा कि वे चाहें तो पूर्व निर्धारित तीन दिसंबर से पहले ही वार्ता के लिए बैठक कर सकते हैं। इस पेशकश को लेकर भी उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सरकार के स्पष्ट रुख के बावजूद किसान संगठनों के मौन से कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही है। विपक्षी दलों का किसानों के सहारे सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश है।

सत्तारुढ़ भाजपा ने विपक्षी राजनीतिक दलों पर किसानों में भ्रम फैलाने का आरोप भी लगाया है। भाजपा ने किसानों को इस बात पर गुमराह न होने की सलाह दी कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर होने वाली खरीद समाप्त कर दी जाएगी। यह प्रणाली ज्यों की त्यों जारी रहेगी। पंजाब के किसानों के आंदोलन को मिल रहे वित्तीय समर्थन को लेकर भी आशंकाएं बढ़ रही हैं। खासतौर पर विदेशों में बस गए प्रवासी भारतीयों की ओर से उनके समर्थन में किए जा रहे समर्थन से इसे और बल मिल रहा है। उत्तर प्रदेश के किसान संगठनों के बारे में बताया गया कि उनके लिए आंदोलन के साथ खड़ा होना स्वाभाविक मजबूरी है। पिछले कई दिनों से राजधानी के बाहरी हिस्से में राज्यों की सीमाओं पर किसान आंदोलनकारी डेरा डाले हुए हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस और वामपंथी दलों का परोक्ष और कहीं कहीं प्रत्यक्ष समर्थन मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर आंदोलन कर रहे किसानों का समर्थन करने पर तीखी टिप्पणी की है। पार्टी के प्रमुख नेता और केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने अपने ट्वीट संदेश की श्रृंखला में कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों को समझाने की कोशिश की है। उन्होंने आंदोलन को समर्थन करने वाले राजनीतिक दलों को आड़े हाथों भी लिया है। मंडियों के लिए कोई खतरा नहीं है और न ही न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकारी खरीद को बंद करने का कोई सवाल पैदा होता है।

एक नजर

रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा, वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक और वृहद आर्थिक आंकड़े इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। इसके अलावा वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़ों से भी बाजार का दिशा मिलेगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। सोमवार को गुरु नानक जयंती के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहेंगे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''आगे चलकर बाजार का कुल रुख सकारात्मक रहेगा। पिछले कुछ सप्ताह के दौरान बाजार ने जोरदार लाभ दर्ज किया है। ऐसे में मुनाफावसूली की संभावना भी बनी रहेगी। वैश्विक स्तर पर निवेशकों की निगाह अमेरिकी की नई सरकार द्वारा प्रोत्साहन उपायों की घोषणा से जुड़े घटनाक्रमों पर रहेगी।'' खेमका ने कहा कि घरेलू मार्चे पर बाजार उम्मीद से बेहतर सितंबर तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देगा। इसके अलावा वाहन कंपनियों के नवंबर के बिक्री आंकड़ों पर भी सभी की निगाह रहेगी। सितंबर तिमाही में जीडीपी में गिरावट की रफ्तार घटकर 7.5 प्रतिशत रह गई है।

नजफगढ़ पुलिस की गिरफ्त में आया 6 मामलों में शामिल सेंधमार

नई दिल्ली। नजफगढ़ थाना की पुलिस टीम ने एक सेंधमार को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से बटनदार चाकू, चोरी की मोटर, एप्पल आईपैड और दो लोहे की रॉड बरामद की गई। गिरफ्तार सेंधमार की पहचान सुनील उर्फ बिल्लू के रूप में हुई है जो बापरोला का रहने वाला है। डीसीपी संतोष कुमार मीणा के अनुसार, नजफगढ़ एसएचओ की देखरेख में हेड कॉन्स्टेबल मनोज, कॉन्स्टेबल जितेंद्र और राजेंद्र जय विहार गंदा नाला के पास पिकेट चेकिंग कर रहे थे। तभी उन्होंने सीक्रेट इनफॉरमेशन पर इस सेंधमार को पकड़ा और जब इसकी तलाशी ली गई तो इसके पास से बटनदार चाकू के साथ चोरी का आईपैड और इलेक्ट्रिक मोटर बरामद की गई। इसके बाद नजफगढ़ थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए इसे गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, इस पर नजफगढ़, राज पार्क और द्वारका नॉर्थ थाना में 6 मामले पहले से ही दर्ज है और इसकी गिरफ्तारी से नजफगढ़ थाना के 3 मामलो का खुलासा हुआ है।

नया निवेश नहीं मिला, तो अगले दो साल में भारत में बैंकों की पूंजी घटेगी

नई दिल्ली। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने कहा है कि अगले दो साल के दौरान उभरते एशियाई क्षेत्र के बैंकों की पूंजी में कुछ गिरावट आएगी। इसके साथ मूडीज ने कहा है कि नया निवेश नहीं मिलने पर इस दौरान भारत के बैंकों की पूंजी सबसे अधिक घटेगी। मूडीज की सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरते बाजारों के बैंकों के लिए संपत्ति की अनिश्चित गुणवत्ता सबसे बड़ी चुनौती है। इसकी वजह कोविड19 महामारी के चलते परिचालन की परिस्थितियों का चुनौतीपूर्ण होना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरते बाजारों में 2021 के लिए बैंकों का परिदृश्य नकारात्मक है। वहीं बीमा कंपनियों के लिए यह स्थिर है। मूडीज ने कहा, ''एशिया प्रशांत क्षेत्र में बैंकों की बढ़ती गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) और बीमा कंपनियों का उतार चढ़ाव वाला निवेश पोर्टफोलियो चिंता का विषय है। अगले दो साल के दौरा उभरते एशिया में बैंकों की पूंजी घटेगी। सार्वजनिक या निजी निवेश नहीं मिलने की स्थिति में भारत और श्रीलंका के बैंकों की पूंजी में सबसे अधिक गिरावट आएगी।''

सतगुरु नानक प्रगटया, मिटी धुंध जग चानन होया

श्रद्धा व उत्साह से मनाया गया गुरु नानक जी का प्रकाश पर्व

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुनानक देव जी को किया नमन

कोरोना के चलते नहीं निकला नगर कीर्तन, गुरुद्वारों में हुआ समागम

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 नवम्बर । पहली पातशाही साहिब श्री गुरु नानक देव का 551वां प्रकाश पर्व राजधानी दिल्ली सहित पूरे देश में पूरे श्रद्धा व उत्साह से मनाया गया। इस मौके पर दिल्ली के सभी ऐतिहासिक गुरुद्वारों में दिन भर श्रद्धालुओं का मत्था टेकने के लिए तांता लगा रहा। कोरोना महामारी के चलते इस बार दिल्ली में नगर कीर्तन का आयोजन नहीं किया गया। लेकिन छोटेछोटे समागम सभी गुरुद्वारों में आयोजित किए गए। ताकि संगत अलगअलग समागम में शामिल हो सके और एक जगह 'यादा भीड़ भी ना इकट्ठी हो सके। मुख्य समागम गुरुद्वारा बंगला साहिब में हुआ, जहां हजारों की संख्या में संगतों ने गुरु चरणों में नतमस्तक होकर गुरु साहिब का आर्शीवाद प्राप्त किया। इसका आयोजन दिल्ली कमेटी की ओर से किया गया। इस ऐतिहासिक पर्व पर सभी गुरुद्वारों को सतरंगी लाइटों से सजाया गया। दिल्ली के गुरुद्वारा बंगला साहिब, शीशगंज साहिब, रकाबगंज साहिब सहित सभी बड़े गुरुद्वारों में सोमवार तड़के से लेकर देर रात तक संगत मत्था टेंकने के लिए पहुंचे। कोरोना महामारी के चलते सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क और थर्मल स्कैनिंग भी देखी गई।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। एक ट्वीट में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, प्रकाश पर्व के अवसर पर मैं गुरु नानक देव जी को नमन करता हूं। उनके संदेश हमें समाज की सेवा और बेहतर दुनिया बनाने के लिए प्रेरित करते रहें।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा अपने पूरे परिवार के साथ प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर श्री बंगला साहिब गुरुद्वारा में मत्था टेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया व सभी के सुख एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर उन्होंने गुरू की एक वाणी सतगुरु नानक प्रगटया, मिटी धुंध जग चानन होया, का उारण भी किया।

टिकरी बार्डर पर किसानों ने मनाया गुरू पर्व, टैक्टर पर की दीपमाला

कृषि बिलों के विरोध में किसान आंदोलन में डटे प्रदर्शनकारियों ने बहादुर गढ़ में टिकरी बार्डर पर गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर धरना स्थल पर ही समागम किया। गुरबाणी कीर्तन के बाद कडा प्रसाद बांटा गया। साथ ही शाम होने पर सभी प्रदर्शनकारियों ने अपने टैक्टर ट्रालियों पर दीपमाला की।

साथ ही कहा कि अपने ज्ञान व सदाचार के प्रकाश से समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने वाले गुरुनानक देव जी हम सभी के लिए प्रेरणापुंज हैं।

पीएम मोदी और सिखों के साथ सरकार के विशेष संबंध पुस्तक का विमोचन

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने आज केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ एक पुस्तिका पीएम मोदी और सिखों के साथ उनकी सरकार के विशेष संबंध' का विमोचन किया। इस पुस्तक को तीन भाषाओं हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी में जारी किया गया। इस मौके पर हरदीप पुरी ने श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती मनाने के लिए एक साल पहले लिए गए पथ-प्रदर्शक फैसलों को सूचीबद्ध किया, जिसमें आज जारी की गई पुस्तिका शामिल है। मंत्री ने कहा कि यूनाइटेड किंगडम और कनाडा के एक विश्वविद्यालय में गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं पर एक चेयर स्थापित करने का निर्णय लिया गया था और कनाडा में इसे स्थापित करने के लिए बातचीत चल रही है। उन्होंने बताया कि जो भी निर्णय लिए गए हैं, उन्हें रिकॉर्ड समय में लागू भी किया गया है। पुरी ने प्रधानमंत्री को व्यक्तिगत रूप से छोटी व्यवस्थाओं की देखरेख करने और व्यक्तिगत रूप से करतारपुर कॉरिडोर के लिए पहला जत्था भेजने का श्रेय दिया। केंद्रीय मंत्री ने श्री हरमंदिर साहिब में लंगर, एफसीआरए पंजीकरण पर कोई कराधान नहीं करने के निर्णय पर प्रकाश डाला,जिससे कि सिख समुदाय की मांग के अनुसार वैश्विक संगत भागीदारी संभव हो सके और ब्लैकलिस्ट'का संशोधन किया जा सके। मंत्री ने सतत विकास और महिला सशक्तिकरण पर गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं के बारे में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि गुरु महाराज की शिक्षाओं को सरकार के एजेंडे में शामिल किया गया है।

सिरसा एवं कालका ने गुरु के दर्शाये मार्ग पर चलने को कहा

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आज बहुत ही पवित्र दिवस है जिसे पूरी दुनिया में श्रद्धा व उत्साह से केवल सिख ही नहीं बल्कि अलग-अलग धर्मों के लोग मनाते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब के दर्शाए मार्ग पर चलते हुए ही दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने कोरोना महामारी के दौरान जरूरतमंदों के लिए लंगर का प्रबंध किया और अब दिल्ली में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे किसानों के आंदोलन के लिए लंगर का प्रबंध किया है। कमेटी के महासचिव हरमीत सिंह कालका ने संगतों को गुरुपर्व की बधाई देते हुए कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने ही कर्मकांड में उलझे समाज को राह दिखाई, औरत को महान दर्जा दिया एवं हमें जीवन जांच सिखाई। उन्होंने कहा कि अगर हम उनकी शिक्षाओं में से कुछ भी अपना लें तो हमारा जीवन सफल हो जाएगा। दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के वर्ल्ड पंजाबी संगठन द्वारा गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के माके पर उनकी उदासियों व शिक्षाओं के बारे में एक मुकाबला भी करवाया गया जिसमें हर राउंड के लिए अलग-अलग विजेताओं को ईनाम दिये गये।

प्रदर्शनकारी किसानों के समर्थन में उतरा रामगढिया बोर्ड

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, केंद्र सरकार के कृषि बिलों के विरोध में पंजाब सहित देशभर से दिल्ली पहुंचे प्रदर्शनकारियों का रामगढ़िया बोर्ड दिल्ली ने खुला समर्थन किया है। बोर्ड के सभी सदस्यों ने मिलकर किसान आंदोलन में शामिल हुए और भारी मात्रा में पानी तथा मास्क किसानों को बांटे। बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र पाल सिंह गागी ने किसानों को आश्रवान दिया कि रामगढ़िया बोर्ड दिल्ली हर तरह से आपके साथ खड़ा है।

जब तक ये आंदोलन चलेगा रामगढिया बोर्ड हर संभव मदद करेगा। बोर्ड के अध्यक्ष जिजेंद्र पाल सिंह ने कहा कि भारत सरकार द्वारा रातों रात कुछ सरमायेदारों लोगों को फायदे देने के लिए पूरे भारत के किसानों के साथ धोखा किया है। हम इस काले कानून को कदाचित मानने के लिए तैयार नहीं है और इसका डट कर विरोध करते हैं। बोर्ड के वाईस चेयरमैन बलविंदर मोहन संधु ने कहा कुछ लोग प्रदर्शनकारी सिखों को उग्रवादी बता कर आंदोलन को खराब करने की साजिश कर रहे हैं जो कि

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने ठंड के मौसम में किसान भाईचारे पर पानी फैंक कर जुल्म का सबूत दिया है।

यह निंदनीय है। इसके अलावा बिलकुल झूठ है। प्रदर्शनकारी मेंहनती किसान हैं, जो पूरे भारत का पेट भरते हैं। लिहाजा रामगढिया बोर्ड आंदोलनकारी किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खडा है।

किरण माहेश्वरी के निधन पर आदेश गुप्ता और श्याम जाजू ने जताया शोक

नई दिल्ली, 30 नवंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने राजस्थान की पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री एवं राजसमंद की विधायक किरण माहेश्वरी के असामयिक निधन पर सोमवार को गहरा शोक प्रकट किया है। गुप्ता ने माहेश्वरी के निधन पर उनके स्वजनों और समर्थकों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। गुप्ता ने ट्वीट कर लिखा कि भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान की विधायक किरण माहेश्वरी के असामयिक निधन से काफी आहत हुआ हूं। भगवान उनकी आत्म को अपने श्री चरणों में स्थान दें। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने ट्वीट कर किरण माहेश्वरी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा कि भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं विधायक किरण माहेश्वरी के निधन पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

केंद्र ने राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों से अस्पतालों में आग से सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 नवंबर । केंद्र ने सोमवार को सभी राज्यों से अस्पतालों और नर्सिंग होम में आग से सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि जब देश कोरोना वायरस से निपटने के अभियान में जुटा हुआ है, ऐसे वक्त में पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। हाल में गुजरात के दो अलगअलग अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं में 14 लोगों की मौत के मद्देनजर केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को एक पत्र लिखा है। गृह सचिव ने कहा कि हालिया समय में अस्पतालों और नर्सिंग होम में आग लगने की विभिन्न घटनाएं हुई हैं और संबंधित प्राधिकारों द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा उपाय नहीं करना चिंता का विषय है। भल्ला ने कहा कि राजकोट में एक अस्पताल के आईसीयू वार्ड में आग लगने से छह लोगों और अहमदाबाद के एक अस्पताल में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गयी। उन्होंने पत्र में कहा,

''ऐसे कठिन समय में जब देश ने कोविड19 के खिलाफ जंग छेड़ रखी है, हमें काफी सावधानी बरतने की जरूरत है ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी घटनाएं नहीं हों। '' उन्होंने कहा, ''मैं आपसे उपरोक्त परामर्श का पालन सुनिश्चित करने और आग से सुरक्षा तथा भविष्य में ऐसी घटनाएं ना हों, इसके लिए सभी संबंधित विभागों, अधिकारियों को सभी अस्पतालों और नर्सिंग होम की फिर से जांच के लिए निर्देश देने का आग्रह करता हूं।'' गृह सचिव ने कहा कि गृह मंत्रालय में महानिदेशालय (दमकल सेवा, नागरिक रक्षा और होमगार्डस) ने अस्पतालों और नर्सिंग होम समेत सभी इमारतों में आग से सुरक्षा के संबंध में समयसमय पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी किया है। भल्ला ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी अस्पताल में सुरक्षा को लेकर दिशा निर्देश जारी किया और जरूरी व्यवस्था का निर्देश दिया था। उन्होंने पत्र में कहा है, ''कार्रवाई रिपोर्ट जल्द से जल्द मंत्रालय के साथ साझा की जा सकती है।''

22 दिसंबर को आयोजित होगी राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत राजधानी के सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता आयोजित होगी। शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में निर्देश जारी कर कहा कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिला स्तर पर आयोजित हुई भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लाने वाले छात्र हिस्सा लेंगे। निदेशालय के मुताबिक छात्रों के बीच राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। निदेशालय के अधिकारियों के मुताबिक इस बार राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में छात्र

सिक्किम की संस्कृति के बारें में बताएंगे। इसके प्रतियोगिता के लिए छात्रों को सांस्कृतिक विरासत और चरित्र शास्त्र दिल्ली/सिक्किम विषय दिया गया है। इससे छात्र सिक्किम की समृद्ध विरासत, संस्कृति और रीति रिवाजों के बारे में भी जान सकेंगे। निदेशालय के अधिकारियों के मुताबिक इस प्रतियोगिता का आयोजन हर साल होता है जिसमें छात्र हर साल अलगअलग राज्यों की संस्कृति और परंपरा को जानते और समझते हैं। इस बार यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 22 दिसंबर को आयोजित होगी। छात्रों को इसके लिए तीन से पांच मिनट का समय दिया जाएगा। इसमें वह हिंदी या अंग्रेजी माध्यम में से किसी भी माध्यम से बोल सकते हैं। इसमें छात्र व छात्राओं की अलगअलग प्रतियोगिता होगी। निदेशालय के मुताबिक इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लाने वाले छात्र को दस हजार रुपये मिलेंगे। वहीं, द्वितीय को छह हजार और तृतीय को चार हजार रुपये मिलेंगे। वहीं, जिन छात्रों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया होगा उन्हें भी सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

निरंकारी मिशन के सलाहकार बोर्ड के चेयरमैन खेमराज चढ्ढा का निधन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 नवम्बर । संत निरंकारी मण्डल के समर्पित संत एवं केन्द्रीय योजना एवं सलाहकार बोर्ड के चेयरमैन खेमराज चढ्ढा का निधन हो गया। उनके निधन पर निरंकारी मंडल परिवार ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

वह निरंकारी मिशन के सबसे पुराने सदस्यों में से एक रहे। वह तत्कालीन सदुरू बाबा अवतार सिंह से 17 सितम्बर 1948 को ब्रह्मज्ञान प्राप्त किया एवं मिशन की विचारधारा को जी कर ज्वलन्त उदाहरण प्रस्तुत किया। वह सदैव कहते थे कि जैसा हमारा कर्म हो वैसे ही हमारे बोल हो, जैसे हमारे बोल हों वैसा हमारा कर्म होना चाहिये। वह बोलने से पूर्व कर्म पर विश्वास रखते थे। खेमराज चढढा वर्षों तक संत निरंकारी मण्डल की

कार्यकारिणी समिति के विभिन्न विभागों जैसे सेवादल, विदेश प्रबन्धन एवं प्रकाशन आदि में मेम्बर इंचार्ज के रूप में सेवारत रहे। संत निरंकारी वार्षिक संत समागमों में संयोजक के रूप में निरंतर सेवा निभाई।

समागम को सुन्दर एवं सुव्यवस्थित रूप देने में उनकी सदैव अहम भूमिका रही। उन्होंने सदुरू बाबा अवतार सिंह, बाबा गुरबचन सिंह, बाबा हरदेव सिंह, सदुरू माता सविन्दर हरदेव जी महाराज एवं निरंकारी राजमाता के स्नेह एवं आर्शीवाद के प्राप्त किये। गत दो वर्षों से सदुरू माता सुदीक्षा महाराज के साथ निरन्तर पात्र बने रहे। उनकी अंत्येष्टि 1 दिसम्बर दोपहर 3 बजे पंजाबी बाग सीएनजी विधुत शवदाह गृह में सम्पन्न होगी।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

नाबालिग से लूटपाट के मामले में बेल पर रिलीज बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली । मोहन गार्डन थाना की पुलिस टीम ने एक नाबालिग से हुई लूट के मामले का खुलासा करते हुए जेल से बेल पर रिलीज हुए बदमाश को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार बदमाश की पहचान अनिकेत के रूप में हुई है। डीसीपी संतोष कुमार मीणा के अनुसार, मोहन गार्डन थाना इलाके में 2 बदमाशों ने चाकू की नोक पर एक नाबालिग से मोबाइल फोन लूट लिया था जिसके बाद मोहन गार्डन थाना में मामला दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की गई। एएसआई मनोज कुमार और हेड कांस्टेबल लोकेंद्र आदि की टीम ने पूछताछ शुरू की तो उन्हें अनिकेत के बारे में जानकारी मिली जो कुछ समय पहले ही जेल से बेल पर रिलीज होकर बाहर आया था। पुलिस टीम अनिकेत के घर पर छापेमारी करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से पीड़ित से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया। पूछताछ में अनिकेत ने बताया कि उसने अपने साथी के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था जिसके बाद पुलिस टीम उसके साथी की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, अनिकेत पर उत्तम नगर बिंदापुर थाना में 2 मामले दर्ज हैं।

400 करोड़ की ठगी कर मालदीव भाग रहा था आरोपी कोची एयरपोर्ट से हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली । लैंड पूलिंग पॉलिसी के नाम पर 400 करोड़ रुपए से ज्यादा एकत्रित कर फरार हो रहे जालसाज को कोची एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा की तरफ से लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया था। इसके चलते उसे कोची एयरपोर्ट पर तब पकड़ लिया गया जब वह मालदीव भागने की फिराक में था। आरोपी को आर्थिक अपराध शाखा दिल्ली ले आई है। जहां उससे फर्जीवाड़े को लेकर पूछताछ की जा रही है।

संयुक्त आयुक्त ओपी मिश्रा के अनुसार डीडीए की लैंड पूलिंग पॉलिसी के नाम पर विभिन्न सोसायटी और बिल्डर द्वारा अलग अलग योजनाएं लांच की गई हैं। इसके लिए कोई रजिस्ट्रेशन फीस ले रहा तो कोई बुकिंग अमाउंट ले रहा है। लोगों को सस्ते फ्लैट देने की बात कही जा रही है। जबकि डीडीए द्वारा अभी तक किसी को फ्लैट बनाने के लिए लाइसेंस नहीं दिए गए हैं। कोई भी सेक्टर जब सभी नियम एवं शर्तों को पूरा कर लेगा तो इसके बाद ही डीडीए द्वारा उन्हें फ्लैट बनाने के लिए लाइसेंस दिया जाएगा। सेक्टर को बनाने के लिए कम से कम उस सेक्टर की 70 फीसदी जमीन डेवलपर के पास होनी चाहिए। इस तरह की जालसाजी को लेकर वर्ष 2019 में एक एफआईआर आर्थिक अपराध शाखा में रेवांता मल्टी स्टेट सीजीएचएस लिमिटेड को लेकर दर्ज की गई थी। छानबीन के दौरान उन्हें पता चला कि डीडीए ने फ्लैट की कमी को दूर करने के लिए लैंड पूलिंग पॉलिसी लॉन्च की है। लेकिन इसका दुरुपयोग करते हुए बिल्डर एवं सोसाइटी, लोगों से ठगी कर रही हैं।

बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस ने मंगाए 2000 आंसू गैस के गोले, बढ़ी पुलिसकर्मियों की संख्या

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली । गृह मंत्री के आश्वासन के बाद भी दिल्ली की सीमाओं पर सड़क जाम कर धरने पर बैठे किसान बुराड़ी के निरंकारी मैदान में आने को तैयार नहीं है। इससे टीकरी और सिंघु बॉर्डर के आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों के साथसाथ दिल्ली पुलिस भी खासे परेशान हैं। किसान आंदोलन के कारण अब दिल्ली एनसीआर में रहने वाले लोगों के जनजीवन पर बुरा असर पड़ने लगा है।

इससे लोगों को आक्रोश भी बढ़ने लगा है। तमाम पहलुओं को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने हर तरह के हालात से निपटने के लिए सभी सीमाओं पर पुलिस की तैनाती बढ़ा दी है। मुख्यालय सूत्रों की मानें तो कड़ी कारवाई करने के लिए पुलिस

पूरी तरह तैयार है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि दिल्ली की कानून व्यवस्था को किसी सूरत में बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। बार बार पुलिस के आला अधिकारी किसान नेताओं से बात कर उनसे बुराड़ी स्थित निरंकारी मैदान में आने की अपील कर रहे हैं लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं है। बुराड़ी में किसानों को रहने के लिए भव्य इंतजाम किए गए है लेकिन किसान वहां जाने को तैयार नहीं है। जो किसान वहां पहुंचे भी है वो अपने अपने ट्रैक्टर ट्राली में ही रह रहे हैं। किसी के टेंट में किसान नहीं जा रहे हैं। किसानों की भीड़ को देखते हुए दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल को भी चौकस रहने को कहा गया है। क्योंकि भीड़ की आड़ में कोई आतंकी संगठन अपने नापाक इरादे को अंजाम ना दे बैठे। सूत्रों के मुताबिक सीमाओं पर दिल्ली पुलिस के अलावा 23 कंपनी पैरा मिलिट्री की भी तैनाती की गई है। दिल्ली पुलिस ने 2000 आंसू गैस के गोले मंगाए हैं। सीमाओं पर स्थिति ना बिगड़े इसके लिए हर समय वहां डीसीपी स्तर के एक अधिकारी की तैनाती रहेगी। विशेष आयुक्त स्तर के अधिकारी पूरे हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

आनन्द शर्मा बोले- किसानों पर की गई हिंसा 'राष्ट्रीय शर्म'

नई दिल्ली । कृषि कानूनों को खेती किसानी के खिलाफ बता आन्दोलन कर रहे किसानों के समर्थन में कांग्रेस पार्टी भी खुलकर आ गई है। आज से कांग्रेस ने स्पीक अप फॉर फार्मर्स नाम से एक ऑनलाइन कैम्पेन भी शुरू किया है। इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता आनन्द शर्मा केंद्र सरकार से तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की बात कह रहे हैं और किसानों पर की गई हिंसा को राष्ट्रीय शर्म की संज्ञा दी है। शर्मा ने कहा कि 'वर्तमान किसान आंदोलन में भाजपा सरकार ने किसानों का दमन किया है, यह भारत माता के वो 'अन्नदाता' हैं, जिन्होंने हरित क्रांति की शुरुआत करते हुए भारत को भोजन संपन्न औट सशक्त बनाया। इतिहास इस सरकार को कोरोना महामारी के दौरान संसद की आवाज दबाने और किसान विरोधी कानूनों को पारित करने के लिये कभी माफ नहीं करेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारे किसानों अधिकांश छोटे और मध्यम वर्ग के हैं।

बकाया वसूली के लिए नहीं किया जा सकता कानूनी तंत्र का इस्तेमाल: HC

नई दिल्ली । बकाया वसूली को लेकर गुजरात के एक व्यवसायी के खिलाफ दर्ज एफआइआर के मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि बकाया वसूली के लिए आपराधिक कानूनी तंत्र का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की पीठ ने कहा कि ऐसे विवादों का निपटारा करने के लिए अलग से फोरम है। पीठ ने कहा कि कोई व्यक्ति बकाया वसूली के लिए किसी तीसरे पर धोखाधड़ी एवं विश्वासघात का आरोप लगाता है तो उसे अदालत व जांच एजेंसी का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। पीठ ने कहा कि यह एक प्रकार की प्रताड़ना है और कानून इसकी इजाजत नहीं देता है। पीठ ने उक्त टिप्पणी करते हुए गुजरात के व्यवसायी रमेश बोगा भाई के खिलाफ रोहिणी थाने में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त कर दिया। पीठ ने कहा कि यह व्यवसायिक मामला है और दोनों पक्षों के बीच करार है। याचिका के अनुसार गुजरात के

व्यवसाई रमेश बोगा भाई के खिलाफ याचिकाकर्ता ने रोहिणी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। व्यवसायी का आरोप है कि उनका सामान विदेश भेजने को लेकर जहाज का किराया नहीं दिया है। यह धोखाधड़ी का मामला है। याचिकाकर्ता व्यवसायी ने कहा कि उसका सामान निर्धारित समय के भीतर और करार के तहत जहां पहुंचाना था वहां नहीं पहुंचा है।

गडकरी को भरोसा, भारत को जल्द से जल्द मिलेगा कोविड का टीका

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 नवंबर । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी को भरोसा है कि भारत को कोविड19 का टीका 'जितना जल्दी संभव है' मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हम महामारी को नियंत्रित कर लेंगे और 'आर्थिक युद्ध' में जीत हासिल करेंगे। गडकरी ने कहा कि दुनिया के ज्यादातर देश चीन के साथ काम करने के इच्छुक नहीं हैं।

वे भारत के साथ काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में देश के विनिर्माण क्षेत्र के पास अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ाने तथा देश से निर्यात को प्रोत्साहन देने का अवसर है। गडकरी ने सोमवार को डन एंड ब्रैडस्ट्रीट के एक 'ऑनलाइन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे विश्वास है कि हमें वैक्सीन जल्द से जल्द मिल जाएगी। शत प्रतिशत हम कोविड19 के खिलाफ लड़ाई जीतेंगे और साथ ही आर्थिक युद्ध में भी विजय हासिल करेंगे।'' उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा कंपनियों के लिए घोषित बिना गारंटी वाले तीन लाख करोड़ रुपये के स्वतः ऋण में से 1.48 लाख करोड़ रुपये का वितरण किया जा चुका है। मंत्री ने कहा, ''हमने चीन से अपना आयात घटाया है। निर्यात भी बढ़ रहा है। अभी तक का रुख सकारात्मक है और मुझे इस क्षेत्र में अच्छे नतीजों की उम्मीद है।'' उन्होंने कहा कि आर्थिक संकट के बावजूद सूक्ष्म, लघु एवं मझोला उपक्रम (एमएसएमई) क्षेत्र अच्छा काम कर रहा है। इस योजना के तहत एमएसमएई इकाइयां, कारोबारी उपक्रम, कारोबार के उद्देश्य से व्यक्तिगत ऋण और मुद्रा ऋण लेने वाले कर्ज ले सकते हैं। एमएसएमई क्षेत्र के लिए योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर गडकरी ने कहा, ''हमने उनके लिए 93 योजनाएं मंजूर की हैं। करीब 100 योजनाएं पाइपलाइन में हैं।

हम इन योजनाओं को भी जल्द लागू करने की तैयारी कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि कच्चे तेल जैसे उत्पादों के आयात पर भारत की निर्भरता को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गडकरी ने बताया कि एमएसएमई मंत्रालय शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों मसलन आईआईटी और एनआईआईटी के साथ मिलकर विशिष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए काम कर रहा है।

निवेशकों को आईपीओ में निवेश करने में मदद करेगी पेटीएम मनी

नई दिल्ली । वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी पेटीएम की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी पेटीएम मनी अब निवेशकों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) में निवेश करने में मदद करेगी। पेटीएम ने सोमवार को बयान मे कहा कि इस कदम का मकसद खुदरा निवेशकों को संपत्ति के सृजन के अवसरों में मदद करना है। इसके जरिये निवेशक आईपीओ के लिए आवेदन कर सकेंगे और तेजी से विस्तार करती कंपनियों की वृद्धि की कहानी का हिस्सा बन सकेंगे। बयान में कहा गया है कि कंपनी ने खुदरा निवेशकों के लिए आईपीओ आवेदन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और सुगम बना दिया है। आवेदकों के अनुभव को बेहतर करने के लिए वह इसमें लगातार और खूबियां जोड़ेगी। कंपनी ने कहा कि पहले साल में उसका आईपीओ आवेदन के बाजार में 8 से 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य है। पेटीएम मनी निवेशकों को सभी नए आईपीओ के लिए उनके बैंक खातों से जुड़े यूपीआई आईडी के जरिये तत्काल आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराएगी।

'सत्य और असत्य की लड़ाई' में किसानों के साथ खड़ें हों कांग्रेस कार्यकर्ता और आम जनता: राहुल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 30 नवंबर । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों से तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों के पक्ष में खड़े होने की अपील करते हुए सोमवार को कहा कि यह 'सत्य एवं असत्य की लड़ाई' है जिसमें सभी को अन्नदाताओं के साथ होना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि अगर ये कानून किसानों के हित में हैं तो फिर किसान सड़कों पर क्यों हैं?

कांग्रेस के 'स्पीक अप फॉर फार्मर्स' नामक सोशल मीडिया अभियान के तहत एक वीडियो जारी राहुल गांधी ने कहा, ''देश का किसान काले कृषि कानूनों के खिलाफ ठंड में, अपना घरखेत छोड़कर दिल्ली तक आ पहुंचा है। सत्य और असत्य की लड़ाई में आप किसके साथ खड़े हैं अन्नदाता किसान या प्रधानमंत्री के पूंजीपति मित्र?'' उन्होंने कहा, ''देशभक्ति देश की शक्ति की रक्षा होती है। देश की शक्ति किसान है। सवाल यह है कि आज किसान सड़कों पर क्यों है? वह सैकड़ों किलोमीटर चलकर दिल्ली की तरफ

क्यों आ रहा है? नरेंद्र मोदी जी कहते हैं कि तीन कानून किसान के हित में है। अगर ये कानून किसान के हित में है तो किसान इनका गुस्सा क्यों है, वह खुश क्यों नहीं है?''

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ''ये कानून मोदी जी के दोतीन मित्रों के लिए है, किसान से चोरी करने के कानून हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, ''हमें किसान की शक्ति के साथ खड़ा होना पड़ेगा। ये किसान जहां भी हैं उनके साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जनता को खड़ा होना चाहिए। इनको भोजन देना चाहिए। इनकी मदद करनी चाहिए।'' कृषि कानून के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन पांचवें दिन सोमवार को भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने आज राष्ट्रीय राजधानी को जाने वाले पांच मार्गों को जाम करने की चेतावनी दी है। इन किसानों की मांग कृषि कानूनों को वापस लेने की है।

अर्थव्यवस्था में सुधार दिखाने के लिए जीडीपी के आंकड़ों में हेरफेर की गई: गौरव वल्लभ

नई दिल्ली, 30 नवंबर (वेबवार्ता)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने सोमवार को आरोप लगाया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर से जुड़े आंकड़ों में हेरफेर की गई ताकि अर्थव्यवस्था में सुधार की स्थिति दिखाई जा सके। उन्होंने यह दावा भी किया कि पहली तिमाही में जिन सूचकों के आधार पर जीडीपी वृद्धि दर निर्धारित की गई थी, दूसरी तिमाही में इनके साथ कई अन्य सूचक भी जोड़ दिए गए। सरकारी आंकड़े के मुताबिक, दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.5 फीसदी रही है। कांग्रेस नेता वल्लभ ने एक बयान जारी कर कहा, ''जब पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर के निर्धारण के लिए 17 सूचक थे, तो फिर दूसरी तिमाही में छह और सूचक क्यों जोड़े गए? इनमें से पांच ऐसे सूचक जोड़े गए जिनसे आंकड़ों में हेरफेर करके जीडीपी को बढ़ाया जा सके।'' वल्लभ ने दावा किया, ''अगर हम पहली तिमाही के सूचकों के आधार पर दूसरी तिमाही के जीडीपी वृद्धि दर को मापते हैं तो

यह गिरावट 10 फीसदी या उससे भी ज्यादा होती। लेकिन आंकड़ों में हेरफेर किया गया ताकि यह दिखाया जा सके कि अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''सरकार को आंकड़ों में हेरफेर करने की बजाय उपभोग को बढ़ाने पर जोर देना चाहिए जिससे बाजार में मांग बढ़े और रोजगार सृजन हो। इसी से देश का भला होगा।''

दिल्ली के 3 छोटे रेलवे स्टेशन बनेंगे मिनी टर्मिनल, रेल यात्रियों का बचेगा समय

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 नवंबर । बड़े स्टेशनों पर रेलगाड़ियों और रेलयात्रियों का बोझ घटाने के लिए दिल्ली के 3 छोटे स्टेशनों को मिनी टर्मिनल के तौर पर विकसित किया जाएगा। इसमें नई दिल्ली से सटा तिलक ब्रिज, पुरानी दिल्ली के पास बना सब्जी मंडी और हजरत निजामुद्दीन के पास बना ओखला स्टेशन शामिल हैं। रेल अधिकारियों का दावा है कि प्लान पूरा होने के बाद इसका सीधा फायदा रेल यात्रियों को पहुंचेगा।

दरअसल, नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन जैसे बड़े स्टेशनों पर मौजूदा समय में रेलगाड़ियों का बोझ कहीं अधिक है। कई बार यहां रेल गाड़ियों की संख्या इतनी होती है कि और रेलगाड़ियों को आने के लिए जगह ही नहीं बचती और उन्हें पिछले स्टेशन पर ही रोकना

पड़ता है। रेल अधिकारियों के मुताबिक मौजूदा समय में प्लान किया जा रहा है कि बाहर से आई ट्रेन को यहीं रोककर वापस अपने गंतव्य तक भेजा जाए। इससे यात्रियों का समय बचेगा और आवाजाही में सहूलियत मिलेगी।

मिली जानकारी के मुताबिक मौजूदा समय में उक्त तीन छोटे स्टेशनों को विकसित करने के लिए प्लेटफार्म की संख्या बढ़ाना, रेल लाइन बिछाना और लंबाई बढ़ाने जैसे काम किए जा रहे हैं। सब्जी मंडी से पुरानी दिल्ली के बीच एक अतिरिक्त लाइन भी बिछाई जाने की प्लानिंग है। इसके अलावा सब्जी मंडी पर पांच प्लेटफार्म करने की योजना है। तिलक ब्रिज पर बनी एक्स्ट्रा लाइन को नई दिल्ली की अन्य लाइनों से जोड़ने की प्लानिंग चल रही है। इसी तरह ओखला में भी कई काम किए जाने हैं।

गोपाल राय को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली, 30 नवंबर । दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय को मैक्स अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। राय को कोरोना संक्रमित होने के बाद भर्ती कराया गया था। अब उनकी हालत स्थिर है और वह घर में ही पृथकवास में रहकर इलाज करवा रहे हैं। पर्यावरण मंत्री के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार गोपाल राय को रविवार शाम को मैक्स अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उनकी हालत स्थिर है और वह घर में पृथकवास में हैं। रायय दिल्ली के तीसरे मंत्री हैं जिन्हें कोरोना होने के बाद मैक्स अस्पताल में भर्ती करना पड़ा और वहां से स्वस्थ्य होकर घर वापस आए हैं। संक्रमित होने वाले दो अन्य मंत्रियों में उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन शामिल हैं। इन्हें पहले दिल्ली सरकार के अस्पताल में भर्ती किया गया लेकिन बाद में मैक्स रेफर किया गया। खास बात यह है कि यह वही अस्पताल है जिसे लेकर दिल्ली सरकार के देश में बेस्ट मेडिकल सुविधाएं देने के दावों को लेकर काफी सवाल उठ

रहे हैं। दिल्ली सरकार ने ही मैक्स अस्पताल के लाइसेंस रद्द करने का फैसला लिया था जब यहां दो बच्चों की मौत हुई थी। अब वही मैक्स अस्पताल मंत्रियों को कोरोना से बचा रहा है। उल्लेखनीय है कि पर्यावरण मंत्री राय में 26 नवम्बर को कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई थी। उन्होंने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी।

5 हजार सिपाही पद के लिए 28 लाख आवेदन, 16 दिसंबर तक चलेगी परीक्षा

नई दिल्ली, 30 नवंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली पुलिस में सिपाही पद पर पांच हजार भर्ती होने जा रही है। एसएससी द्वारा आयोजित की जा रही भर्ती में कुल 28 लाख आवेदन आये हैं जो अब लिखित परीक्षा दे रहे हैं। बीते 27 नवंबर से शुरू हुई परीक्षा आगामी 16 दिसंबर तक चलेगी। ऐसे में परीक्षा के दौरान उन्हें किस प्रकार की सावधानियां बरतनी है, इसे लेकर पुलिस द्वारा जानकारी भी सांझा की गई है। उन्हें यह भी बताया गया है कि परीक्षा केंद्र पर जाने से पहले उन्हें किन दस्तावेज को साथ रख लेना चाहिए। रिक्रूटमेंट डीसीपी श्वेता चैहान के अनुसार दिल्ली पुलिस में पांच हजार से ज्यादा सिपाही भर्ती किये जा रहे हैं। यह भर्ती स्टाफ सलेक्शन कमीशन (एसएससी) द्वारा की जा रही हैं। इसके लिए बीते अगस्त माह में फॉर्म निकाले गए थे। इसमें लगभग 28 लाख आवेदन एसएससी के पास पहुंचे हैं। अब इस भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की जा रही है जो 27 नवंबर से लेकर 16 दिसंबर तक चलेंगी। इस परीक्षा में हिस्सा लेने वाले परीक्षार्थियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट जैसे मोबाइल, लैपटॉप, ब्लूटूथ, केलकुलेटर, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी आदि का इस्तेमाल परीक्षा केंद्र में ना करें। अगर कोई इनका इस्तेमाल करते हुए मिलता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इन दस्तावेजों को लेकर पहुंचे परीक्षा केंद्र डीसीपी श्वेता चैहान के अनुसार परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर जाने से पहले अपने दस्तावेजों को ठीक से जांच लेना चाहिए। उन्हें अपने साथ दो पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ लेकर जाना होगा। इसके साथ ही उनके पास आधार कार्ड, पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट या कोई अन्य दस्तावेज होना चाहिए जिससे उनकी पहचान हो सके। इस पर उनकी जन्म तिथि अंकित होनी चाहिए। परीक्षा का प्रवेश पत्र अपने साथ अवश्य रख लें।

प्रदर्शन के चलते बरतें सावधानीदिल्लीएनसीआर में परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों को किसानों के प्रदर्शन के चलते परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के कई बॉर्डर पर किसान बैठे हुए हैं जिसकी वजह से वहां से गाड़ियां नहीं आ रही हैं। इसे ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस की तरफ से अपील की गई है कि परीक्षार्थी समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचे। दिल्ली मेट्रो सामान्य रूप से चल रही है, ऐसे में परीक्षार्थी बॉर्डर पार करने एवं केंद्र तक पहुंचने के लिए मेट्रो का इस्तेमाल कर सकते हैं।

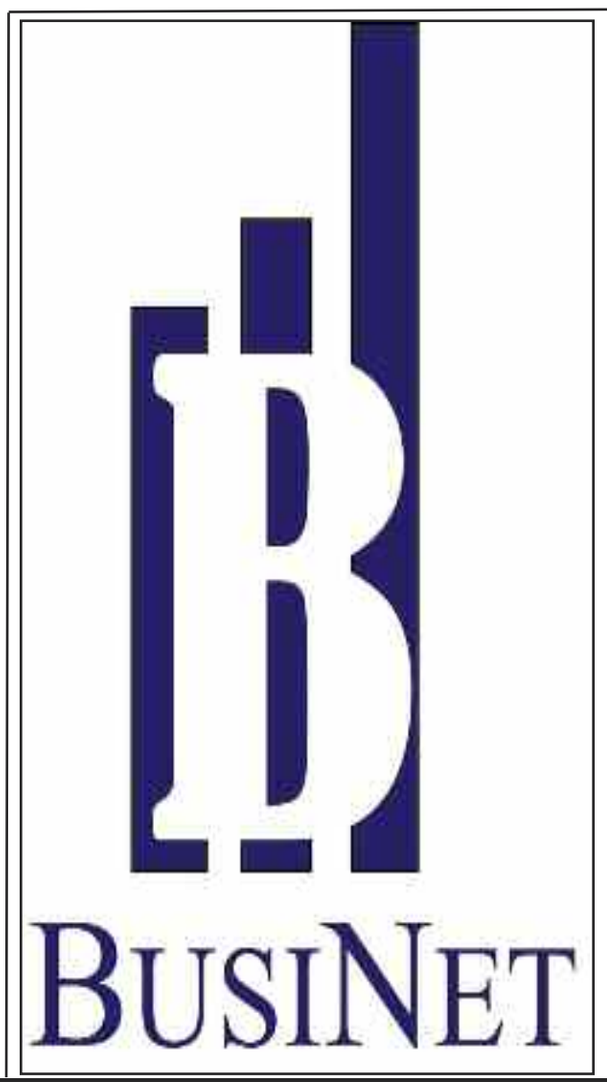

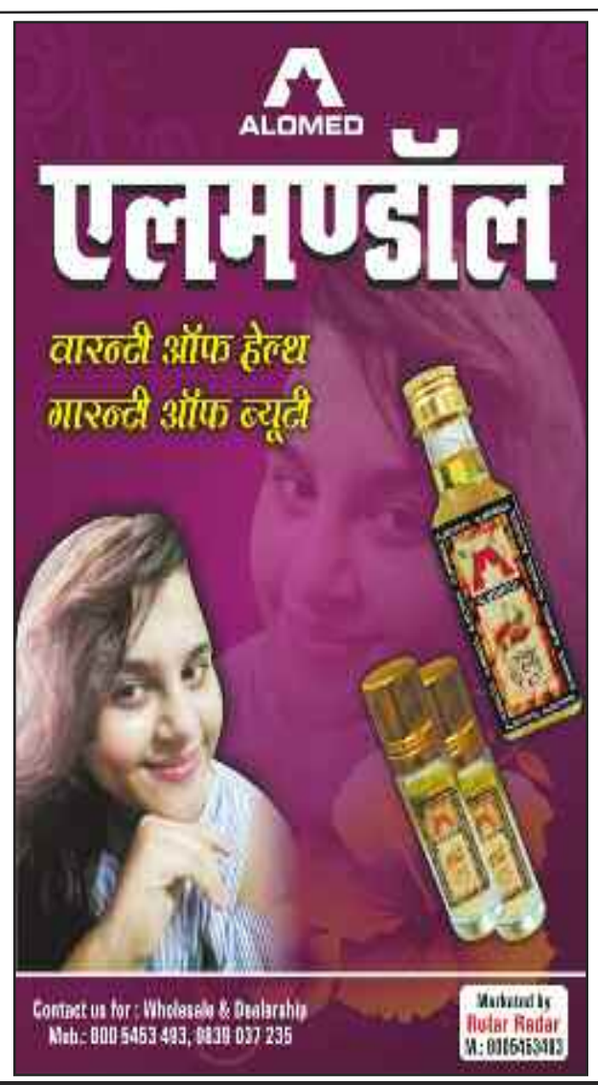

संपादकीय

कोरोना वैक्सीन के आते ही आप कोरोना से बेफिक्र नहीं हो सकते

भारत सरकार पूरी तरह से यह कोशिश कर रही है कि कोरोना से मुक्ति पाने के लिए जल्द से जल्द कोरोना वैक्सीनलोगों तक पहुच जाय। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोरोना वैक्सीन बना रही भारत की तीनों लैब पर खुद गए। अहमदाबाद की जाइडस बायोटेक से शुरू हुआ उनका दौरा कार्यक्रम भारत के उन सब जगहों पर गए जहाँ वेक्सिन का निर्माण हो रहा है।उन्होंने निर्माण से लेकर लोगों तक यह वेक्सिन कैसे पहुचे इन सब बातों का ध्यान पूर्वक अध्यन किया व संतुष्टि प्रकट की। पर यह बात दुःख की है कि एक तरफ हमारे वैज्ञानिक कोरोना वैक्सीन बनाने में दिनरात एक किये हुए हैं, और दूसरी तरफ जनता दिनरात कुछ और ही तूफानी करने पर आमादा है। जहाँ देखिए मास्क, सैनिटाइजर, सोशल डिस्टेंसिंग के तमाम नियमों की धज्जियाँ उड़ती दिखाई देती हैं। सबकी लापरवाहियों का नतीजा अब इस बीमारी के विस्फोट बन उभरा है। क्या कोरोना काल में सामान्य जीवन जीना इतना डरावना हो गया है? ऐसे में यह जानना और भी आवश्यक हो जाता है कि हमें कोरोना वायरस की जिस तिलिस्मी वैक्सीन का बेसब्री से इंतजार है, वह हमारे जीवन में कुछ बदल पाएगी भी या नहीं?

वैक्सीन का काम है बीमारी से बचाव करना, ये उसे ठीक करने की दवाई कतई नहीं है। यदि आप ये सोच रहे हैं कि वैक्सीन लगते ही आप 'कोरोना प्रूफ' हो जाएंगे तो आप सौ फीसदी गलत हैं! वैक्सीन एक्सपर्ट का कहना है कि 'हमारे शरीर में एंटीबॉडीज बनने की प्रक्रिया में न्यूनतम तीन सप्ताह लगते हैं यानी यदि आप आज वैक्सीन लेते हैं तब भी आप पर अगले तीन सप्ताह तक संक्रमण का खतरा मँडराता रहेगा! यह संकट इससे अधिक समय के लिए भी हो सकता है'। लेकिन जिस तरह का इंतजार हो रहा उसे देखकर तो यही लगता है कि लोग मान बैठे हैं कि ये वैक्सीन नहीं बल्कि अमृत जल है जिसे ग्रहण करते ही सारे दुःख मिट जाएंगे। एक सुरक्षा कवच चढ़ जाएगा। जबकि सच इससे उलट है। यदि हम अपनी सुरक्षा स्वयं करना नहीं सीखेंगे तो हमारे लिए वैक्सीन का आना न आना एक बराबर है!

किसी वैक्सीन को बनाने की शुरुआती कोशिश के किसी भी चरण में तीन माह से अधिक ट्रायल कर पाना संभव नहीं है जो कोरोना वैक्सीन के मामले में भी अपनाया गया है। शोध वैज्ञानिक अभी यह भी नहीं बता सकते कि कोरोना वैक्सीन का असर कितने समय तक रहेगा। हो सकता है 6 महीने बाद एंटीबॉडीज बनना बंद हो जाए, और नतीजा वही सिफर। ये भी संभव है कि आपको जीवन भर कोरोना न हो। पर अभी सारी चर्चा किंतु, परन्तु वाली ही है।

वैज्ञानिक ही इस बात को लेकर कहींनकहीं आशंकित हैं तो वैक्सीन बनाने वाली कम्पनीज तो कोई गारंटी देने से रहीं। उन्होंने हथियार बना दिया है लेकिन उनके लिए भी इस विषाणु से लड़ना अनजान दुश्मन से लड़ने जैसा है, जिसके अगले वार का कोई अनुमान फिलहाल तो वैज्ञानिकों के पास नहीं है. हारजीत तो बाद में ही सिद्ध हो सकेगी न! अब क्या ऐसे में वैक्सीन लगने के लम्बे समय बाद तक भी हमें अपनी सुरक्षा पर ध्यान न देना होगा? यह भी समझ लीजिए कि चाहे वो स्वदेशी वैक्सीन हो या विदेशी, दोनों को ही हम तक पहुँचने में वक्त लगेगा! बाहर की वैक्सीन को जिस तरह के रख रखाव की आवश्यकता है उसकी व्यवस्था करने में ही महीनों लग जाएंगे। तब तक शायद हमारी ही तैयार हो जाए. अपने देश में वैक्सीन बनाने वाली तीनों कंपनीज को तीसरे चरण में जाने की अनुमति मिल गई है। मान लीजिए, इनमें से किसी की वैक्सीन अगले दो माह में यदि आ भी जाती है तब भी 135 करोड़ से अधिक की आबादी वाले देश में आम जनता तक इसको पहुँचने में न्यूनतम 6 माह और लग जाएंगे और ये तो तब होगा जब वैक्सीन का इतना प्रोडक्शन हो सकेगा! हो सकता है इस प्रक्रिया में एक और साल ही लग जाए!

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

क्यों भारत का आईटी सेक्टर कृतज्ञ रहेगा फकीरचंद कोहली का

अगर आज भारत को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया सबसे खास शक्तियों में से एक माना जाता है और भारत का आईटी सेक्टर का व्यापार यदि 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, तो इसका श्रेय् कुछ हद तक तो आपको फकीरचंद कोहली जी को देना ही होगा। आप कह सकते है कि कोहली जी ने ही देश के आईटी की नींव रखी। उनका हाल ही में निधन हो गया है। वे 96 साल के थे और अंत तक स्वस्थ रहे। उनका हमारे बीच होना बहुत सुकून देता था।

कोहली जी प्रौद्योगिकी जगत में नवोन्मेष और उत्कृष्टता की संस्कृति को संस्थागत स्वरूप देने वालों में सबसे आगे रहे। अगर उन्होंने देश के आईटी सेक्टर की नींव रखी तो टाटा समूह के आध्य पुरुष जेआरड़ी टाटा को क्रेडिट देना होगा कि उन्होंने ही कोहली जी को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस को स्थापित करने और आगे चलकर उसे चलाने का भी जिम्मा सौंपा था। जेआरडी टाटा में यह गुण अदभुत था। उन पर ईश्वरीय कृपा थी कि वे चुनचुनकर एक से बढ़कर एक कुशल एक मैनेजरों को अपने साथ जोड़ लेते थे। टाटा ने अपने समूह की सहयोगी कंपनियों में अजित केरकर (ताज होटल), प्रख्यात विधिवेत्ता ननी पालकीवाला (एसीसी सीमेंट), रूसी मोदी (टाटा स्टील) वगैरह को जोड़ा था । ये सब आगे चलकर अपने आप में एक बड़े ब्रांड बने। टाटा अपने मैनेजरों सीईओज को पूरी छूट देते थे स्वतंत्रता पूर्वक काम करने की। हालांकि उन पर नजर भी रखते थे। उन्हें सलाहमशविरा भी देते रहते थे। इन पॉजिटिव स्थितियों में उनके समूह की कंपनियां आगे निकलती रहीं। दरअसल कोहली जी एक महान भविष्यदृष्टा थे, जिन्होंने देश में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग को खड़ा करने में नेतृत्व की भूमिका निभाई । उन्होंने देश में सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति की नींव रखी। उन्हें भारतीय सॉफ्टवेयर उद्योग का 'भीष्म पितामह' भी कहा जा सकता है।

कोहली जी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के सच्चे पथ प्रवर्तक थे। उनके पदचिन्हों का अनुसरण करके देश की अनेक आईटी कंपनियों को भी खूब सफलता मिली। कुछ समय पहले इंफोसिस के संस्थापक चेयरमेन एन. आर. नारायण मूर्ति ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कोहली जी के पैर छूकर उनके प्रति अपना गहरा सम्मान जताया था। इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि कोहली जी का कद सॉफ्टवेयर उद्योग में कितना बड़ा था। दरअसल कोहली जी ने ही प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अवसरों को पहचाना और टीसीएस जैसी महान कंपनी का निर्माण किया। कोहली जी के कुशल नेतृत्व में टीसीएस हमेशा ही अविजित बनी रही। उन्होंने न सिर्फ

इसे एक मजबूत कंपनी के रूप में गढ़ा बल्कि उससे भी बड़ा कार्य यह किया कि ऐसे नेतृत्वकर्ताओं को भी तैयार किया जो उनके काम को कुशलतापूर्वक और आगे बढ़ा सकें।

अगर हम पीछे मुड़कर देखें तो टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस की स्थापना सन् 1968 में हुई थी । तब इसका नाम टाटा कंप्यूटर सेंटर हुआ करता था। कुछ ही समय के बाद कंपनी का नाम हो गया टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस। टीसीएस ने अपना पहला सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट प्रोजेक्ट 1974 में पूरा किया। उसके बाद इसने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। टीसीएस का 1980 में भारतीय सॉफ्टवेयर उद्योग के कुल निर्यात में 63 फीसद योगदान रहा। टीसीएस ने 1984 में मुंबई के सान्ताक्रुज़ इलेक्ट्रोनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग ज़ोन में अपना एक विशाल दफ्तर स्थापित किया। 1990 के दशक में टीसीएस के कारोबार में ज़बरदस्त बढोत्तरी हुयी, जिसके परिणाम स्वरुप कंपनी ने बडे पैमाने पर भर्तियाँ कीं। 1990 के दशक के आरंभिक एवं मध्य के वर्षों में, टीसीएस ने खुद को एक शीर्ष सॉफ्टवेयर उत्पाद निर्माता कंपनी के तौर पर स्थापित किया।

आज की तारीख में टीसीएस में करीब साढ़े चार लाख से अधिक कर्मी हैं। उसके लगभग एक लाख कर्मी तो दुनिया के विभिन्न देशों में हैं और वे यह जरूरी नहीं है कि सभी भारतीय ही हों। मतलब कि वे किसी भी अन्य देशों के भी हो सकते हैं। इसमें कुछ भी बुरी बात भी नहीं है। आज के दिन टीसीएस के 44 देशों में कर्मचारी हैं।

एक बात तो यह भी लगती ही है कि कोहली इसीलिए टीसीएस को बुलंदी पर ले जाने में सफल रहे, क्योंकि; उन्हें जेआरडी टाटा जैसा समझदार और ज्ञानी प्रमोटर मिला। अगर प्रमोटर के पास दूरदृष्टि नहीं होगी और वह अपने सीईओ पर भरोसा नहीं करेगा, तो फिर बड़ी सफलता की उम्मीद करना व्यर्थ ही है। अब रैनबैक्सी फार्मा को ही ले लीजिए। इसका कुछ साल पहले तक देश के दवा निर्माताओं के सेक्टर में दबदबा था। यह देश की चोटी की फार्मा कंपनियों में से एक थी। लेकिन, आज यह देखतेदेखते ही बिखर गई। कारण इसके शिखर पदों पर बौने और संदिग्ध छवि के लोग आ गए। उनके होते हुए आप सीईओ से कैसे उम्मीद कर सकते हैं कि वह कोई बेहतर कार्य करके दिखाएगा। जेआरडी टाटा ने कोहली को टीसीएस की जिम्मेदारी देते हुए अपना विजन तो जरूर ही बता दिया होगा । फिर काम होता है कोहली जैसे सीईओ का कि वह उस विजन को अमली जामा पहनाए और उससे भी आगे जाए और सोचे।

जेआरडी के विजन का एक उदहारण देना चाहता हूँ स्वामी विवेकानंद जी जब मद्रास से पानी के जहाज से 1893 में शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिये निकले तब उनकी अंतरात्मा इस वजह से दुःखी थी कि पूरे दक्षिण भारत में कोई भी प्रतिष्ठित साइंस की उच्च शिक्षा का केंद्र नहीं है उन्होंने दुःखी मन से जेआरडी टाटा को एक पत्र लिखकर अपनी व्यथा व्यक्त की ढ्ढ यह पत्र माई डियर जेआरडी के नाम से प्रसिद्ध है स्वामी जी ने लिखा कि तुम पैसे तो पूर्वी भारत के जमशेदपुर से कमा रहे हो और मेरा आशीर्वाद है कि और खूब पैसे कमाओ पर दक्षिण भारत में साइंस की उच्च शिक्षा की व्यवस्था करो जेआरडी ने तुरंत बेंगलूर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ साइंस स्थापित किया कोहली जी की बात हो रही है तो यहां पर एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी महान सॉफ्टवेयर कंपनी खड़ा करने वाले शिव नाडार की चर्चा को लाना भी समीचिन रहेगा। उनके बारे में कहते हैं कि वे अपने सीईओज और मैनेजरों से यह अपेक्षा करते हैं कि वे कुछ हटकर करें। नाडार सदा अपने अफसरों के साथ खड़े रहते हैं। वे उनका असफलता में साथ नहीं छोड़ते। इसलिए उनके मैनेजर बेहतरीन नतीजे लाकर देते हैं। शिव नाडार जी ने एचसीएल टेक्नोलॉजीज की स्थापना की।

आर.के. सिन्हा
पूर्व सांसद, राज्य सभा
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

वैक्सीन के बाद क्या मिलेगी राहत?

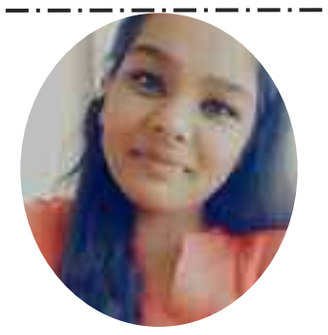

कहने को तो देश में अनगिनत बीमारियां हैं, जिन से रोजाना हजारों लोग प्रभावित होते हैं परंतु किसी का समाधान निकलता है तो किसी का नहीं, किसी बीमारी का प्रकोप पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लेता है तो वहीं कई बीमारियां ऐसी भी हैं जिनके बारे में कोई जानता ही नहीं है। बहरहाल दुनिया में इस समय 112 से ज्यादा ऐसी संक्रामक बीमारियां मौजूद हैं जो वायरस, बैक्टीरिया या पैरासाइट के कारण फैलती है जिनसे हर साल करीब 1 करोड़ 70 लाख लोगों की मौत होती है लेकिन पिछले 200 वर्षों में इनमें से सिर्फ एक ही बीमारी है जिसको जड़ से मिटाया जा सका है और वो है स्मॉल पॉक्स। यह सफलता वर्ष 1980 में मिली थी परन्तु इसके अलावा इंसानों को होने वाली ऐसी कोई संक्रामक बीमारी नहीं है जिसे जड़ से खत्म किया गया हो। हालांकि दुनिया भर के वैज्ञानिक तमाम कोशिशे कर रहे हैं कि कोरोना वायरस को भी जड़ से समाप्त कर दिया जाए लेकिन यह कैसे और कब होगा इस बारे में अब भी पुख्ता तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है क्योंकि, आम तौर पर एक वैक्सीन को तैयार करने में 5 से 10 वर्ष लग जाते हैं और अगर वैश्विक महामारी कोरोना की वैक्सीन बन जाती है तो वह पहली ऐसी वैक्सीन होगी, जो केवल 10 महीने में तैयार की जाएगी लेकिन क्या 10 महीने में तैयार की गई वैक्सीन जानलेवा कोरोना वायरस का खात्मा कर पाएगी? वैसे राहत की खबर यह है कि दुनियाभर में अब कई वैक्सीन तैयार हो चुकी हैं और जल्द ही दुनिया के 750 करोड़ लोगों को वैक्सीन दिए जाने का काम बड़े पैमाने पर आरम्भ हो सकता है लेकिन इन तमाम वैक्सीन की सफलता की दर को लेकर जो दावे किए गए हैं वह कई ना कई लोगों को शंका में ड़ाल रहा हैं। फाइजर का दावा है कि उसकी वैक्सीन 95 प्रतिशत तक प्रभावशाली है व रूस की स्पूतनिक 95 प्रतिशत, ऑक्सफोर्ड और **Astra-zeneca** की वैक्सीन 90 प्रतिशत एंव भारत में बन रही **Covaxin** के 60 प्रतिशत तक सफल होने की आशंका है लेकिन यह सारे नतीजे तीसरे चरण के ट्रायल से निकले हैं व यह एक नियंत्रित माहौल में हासिल किए गए नतीजे हैं

और जब यह वैक्सीन आम लोगों को उपलब्ध होंगी तो इनकी सफलता दर गिरकर 50 प्रतिशत तक भी जा सकती है।

और ऐसा इसलिए होगा क्योंकि ट्रायल के दौरान लोगों को दो समूहों में बांटा जाता है, जिनमें से आधों को वैक्सीन दी जाती है और आधे लोगों को कोई वैक्सीन नहीं दी जाती। फाइजर के ट्रायल में 43 हज़ार लोग शामिल थे, जिनमें से 170 लोगों को कोराना का संक्रमण हुआ लेकिन इनमें से भी 162 लोगों को कोई वैक्सीन नहीं दी गई थी, जबकि 8 लोगों को वैक्सीन लगी थी तो इस आधार पर इस वैक्सीन के 95 प्रतिशत तक सफल होने की बात कही गई है लेकिन क्या ट्रायल में इस वैक्सीन ने जितना असर दिखाया उतना ही असर क्या यह हकीकत में लोगों पर हो पाएगा। आम तौर पर ट्रायल में जो लोग शामिल होते हैं वह स्वस्थ होते हैं यानी उन्हें पहले से कोई बीमारी नहीं होती लेकिन जब यह वैक्सीन दुनिया के करोड़ों लोगों को दी जाएगी, तो इसके असली असर के बारे में पता चलेगा। यह वैक्सीन अलग अलग लोगों पर और अलगअलग परिस्थितियों में कितने प्रतिशत कारगर होगी यह तो समय आने पर ही पता चलेगा। लेकिन सवाल तो यह उठता है कि वैक्सीन आने के बाद भी क्या हर कोई इस वैक्सीन को खरीद सकेगा, इसका खर्च उठा पाएगा? वैसे तो दुनियाभर के देशों ने इन अलग अलग वैक्सीन को खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अमेरिका ने सबसे ज्यादा संख्या में वैक्सीन्स के लिए ऑर्डर दिए हैं, दूसरे नंबर पर यूरोप के देश हैं और तीसरे नंबर पर भारत है लेकिन फिर भी सभी देश अगले एक वर्ष में सिर्फ 20 से 25 प्रतिशत लोगों को ही वैक्सीन दे पाएंगे। दूसरे चरण में सोशल वर्कर्स को, तीसरे चरण में 65 वर्ष से ज्यादा उम्र के लोगों और चौथे चरण में आम जनता को यह वैक्सीन दी जाएगी। वैक्सीन्स को 2 से 8 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर स्टोर रखने की जरूरत होती है, अमीर देशों के लिए तो यह काम मुश्किल नहीं है लेकिन जिन गरीब और विकासशील देशों में संसाधनों की कमी है और बिजली की उपलब्धता एक बड़ी समस्या है वहां इन्हें स्टोर करके रखना मुश्किल काम हो सकता है। भारत पूरी दुनिया के लिए वैक्सीन्स बनाता है इसलिए हो सकता है कि भारत के लोगों को यह वैक्सीन मिलने में इतनी समस्या न आए तथा भारत में हर साल करीब 300 करोड़ वैक्सीन बनाई जाती है।

निधि जैन
लोनी (गाजियाबाद)।
www.womenexpress.in

जागरूकता ही एड्स से बचाव है

विश्व एड्स दिवस 1988 से हर साल 1 दिसंबर को मनाया जाता है। इसे मनाए जाने का मुख्य मकसद लोगों को एचआईवी संक्रमण से होने वाली बीमारी एड्स के बारे में जागरूक करना है। 2020 में विश्व एड्स दिवस की थीम एचआईवी एड्स महामारी समाप्त करना लचीलापन और प्रभाव रखी गई है। एड्स का खतरा दुनिया में अभी थमा नहीं है। अभी भी यह दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में रोज 980 बच्चे एचआईवी वायरस के शिकार हो जाते हैं, जिनमें करीब 320 बच्चों की मौत हो जाती है। साल 1984 में वायरस की पहचान होने के बाद से अब तक लगभग 35 मिलियन से अधिक लोग एचआईवी यानि एड्स से मर चुके हैं, जो इतिहास में सबसे विनाशकारी महामारी के रुप में दर्ज है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक 37.9 मिलियन लोग एचआईवी यानि एड्स के शिकार हो चुके हैं। भारत की बात करें तो पिछले 10 सालों में भारत में संक्रमण 38 प्रतिशत कम हुआ है। इससे पता चलता है कि इसे कम किया जा सकता है। इस समय भारत में 21 लाख लोग एचआईवी के साथ जी रहे हैं। यही नहीं एड्स से होने वाली मौतों में भी 56 प्रतिशत तक कमी आई है। कभी विश्व में कोहराम मचा देने वाली बीमारी एड्स अब काबू में है। पिछले एक दशक के आकड़ों पर गौर करें तो पाएंगे की पीड़ितों को मौत के आगोश में सुलाने वाली यह महामारी धीरे ही सही मगर अब पकड़ में आ गई है। विश्व स्तर पर चेतना और जागरूकता के कारण इस पर विजय हासिल की जा सकी। मगर इसका मतलब यह कतई नहीं है कि एड्स हमारे पूरी तरह नियंत्रण में आगया है। भारत अभी भी विश्व के

उन पांच देशों में शुमार है जहाँ एड्स का प्रभाव सर्वाधिक है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार 2030 तक एड्स को जड़ मूल से समाप्त कर दिया जायेगा। दुनिया के सबसे घातक बीमारियों में एक है एड्स। इस बीमारी का मुकम्मल इलाज अभी मुमकिन नहीं हो पाया है लेकिन कुछ रिसर्च हो रहे हैं। जिससे आप उम्मीद कर सकते हैं कि भविष्य में इसका एक मुकम्मल इलाज हो। विश्व एड्स दिवस हर साल 1 दिसम्बर को मनाया जाता है। इस दिन इस वायरस और बीमारी से बचने के लिए कई जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। लेकिन उसके बावजूद आम लोगों के दिमाग में कई सवाल घूमते रहते हैं। इसी वजह से इस जानलेवा बीमारी को लेकर कई तरह के मिथक बन जाते हैं। हर कोई अपनी जानकारी के हिसाब से दूसरे व्यक्ति को सलाह देता है, लेकिन कौनसी बात कितनी सच है इसको लेकर लोग काफी कंफ्यूजन रहता है। एड्स मानवीय प्रतिरक्षी अपूर्णता विषाणु से होता है जो मानव की प्राकृतिक प्रतिरोधी क्षमता को कमजोर करने के साथ साथ शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता पर आक्रमण करता है। जिसका काम शरीर को विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाना होता है। एच.आई.वी. रक्त में उपस्थित प्रतिरोधी पदार्थ लसीका कोशो पर हमला करता है। ये पदार्थ मानव को जीवाणु और विषाणु जनित बीमारियों से बचाते हैं और शरीर की रक्षा करते हैं। जब एच.आई.वी. द्वारा आक्रमण करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षय होने लगती है तो इस सुरक्षा कवच के बिना एड्स पीड़ित लोग भयानक बीमारियों क्षय रोग और कैंसर आदि से पीड़ित हो जाते हैं और शरीर को सर्दी जुकाम, फुफ्फुस प्रदाह इत्यादि घेर लेते हैं। जब क्षय और कर्क रोग शरीर को घेर लेते हैं तो उनका इलाज करना कठिन हो जाता है और मरीज की मृत्यु भी हो सकती है। एचआईवी को लेकर एक चैंकाने वाला तथ्य यह भी सामने आया है कि विश्व में एचआईवी से पीड़ित होने वालों में सबसे अधिक संख्या किशोरों की है। यह संख्या 20 लाख से ऊपर है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2000 से अब तक किशोरों के एड्स से पीड़ित होने के मामलों में तीन गुना इजाफा हुआ है जो कि चिन्ता का विषय है। एड्स से पीड़ित दस लाख से अधिक किशोर सिर्फ छह देशों में रह रहे हैं और भारत उनमें एक है। एड्स हाथ मिलाने, गले लगने, छूने, छींकने से नहीं फैलता. इससे बचने के लिए जरूरी है कि लोग इस बीमारी के प्रति जागरूक हों।

बाल मुकुन्द ओझा
मालवीय नगर, जयपुर ।
www.womenexpress.in

बचे रहेंगे किसान, तभी तो होगा नफा-नुकसान

पिछले एक पखवाड़े से देशभर में किसान और सरकार आमनेसामने हैं। मामला नये कृषि विधेयकों का है। सरकार और सरकारी तंत्र लगातार इन विधेयकों को किसान हितैषी करार देने में जुटा है वहीं किसान इसे अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना जैसा बता लगातार मुखर हैं। किसानों पर लाठीचार्ज हो चुका है, राज्यसभा में हंगामा हो चुका है। 8 सांसद निलंबित किये जा चुके हैं। यहां तक विपक्ष दोनों सदनों का बहिष्कार भी कर चुका है। पर सरकार आगे बढ़े कदम किसी भी हालत में पीछे लौटाने को तैयार नहीं दिख रही। कुल मिलाकर स्थिति विकट है। मैं भी इस मामले पर कुछ लिखने की तीन चार दिन से सोच रहा था, पर लिखूं क्या यही ऊहापोह की स्थिति में था। किसानों के समर्थन पर लिखूं या सरकार के समर्थन पर। समझ मे ही नहीं आ रहा था।

सुबहसुबह आज घर के आगे कुर्सी डाल चाय की चुस्की ले रहा था। इसी दौरान गांव में नाते में चाचा लगने वाले प्रताप सिंह का आना हो गया। गांव के बड़े सम्मानित व्यक्ति हैं वो। किसान और किसानी पर उनसे कितना ही लम्बा वार्तालाप कर लो। पीछे नहीं हटते। किसान सम्बंधित हर आंदोलन में अग्रणी रहते है। इतनी सुबह गांव से उनका आना मुझे थोड़ा असहज सा लगा। जलपान के बाद औपचारिकवश मैंने आने का प्रयोजन पूछा तो बोलेसब सरकार की माया है। कहीं धूपकहीं छाया है। मैंने कहाचाचा, बड़ी कविताई कर रहे हो। माजरा क्या है? बोले दो दिन से तेरे भायले(मित्र) के साथ मंडी में बाजरा बेचने आया हुआ हूं। सब फ्री का माल समझते हैं। हमारी तो मेहनत का कोई मोल नहीं। ज्यादा नहीं तो कम से कम सरकारी रेट तो मिल जाए, पर सब के सब मुनाफाखोर लूटन नै लार टपकाई खड़े हैं। उम्मीद थी कि इस बार 3000 रुपये क्विंटल का भाव मिल जाएगा, पर यहां तो आधे ही मुश्किल से मिल रहे हैं।

मैंने कहा यह तो गलत बात है। आप बेचो ही मत, कम दाम पर। सरकार ने अब तो किसानों के लिए कई बिल पास कर दिए हैं। अगली बार से तो आपको फायदा ही फायदा है। बोलेबेटा, किसानों को कभी फायदा नहीं होना। किसान तो सिर्फ सपने देखने के लिए होते हैं। इस बार बढ़िया दाम मिलेंगे यह सोचकर छह महीने जीतोड़ मेहनत करते हैं।और जब फसल निकालकर मंडी की राह पकड़ते हैं उसी समय ये सपने एक एककर टूटते चले जाते हैं। किसान तो सदा यूं ही मरने हैं। मैंने कहा चाचा, आगे से ऐसा नहीं होगा। सरकार ने किसानों को पूरी आजादी दे दी है। फसल का स्टोर कर समय पर बेहतर दाम ले सकेंगे। बढ़िया दाम मिलते हो तो विदेश में भी फसल बेच सकेंगे।आढ़तीबिचोलिये सब लाइन पर लगा दिए हैं। मेरी बात सुन चाचा खूब जोर से हंसे और फिर गम्भीर होकर बोले एक बात बता बेटा! तुम्हारे कितनी जमीन है। मैने कहा2 एकड़ है। बोलेइस बार इसमें गेहूं बो दे। आगली बार बढ़िया भाव मिलेंगे। मैंने कहाचाचा, ये किसानी हमारे बस की नहीं है, एक बार की थी। खर्चा हुआ 50 हजार और आमदनी 30 हजार। 20 हजार का सीधा नुकसान। बोलेबस, एक बार में ही हार गया। हमारे साथ तो सदा से ही ऐसा होता आया है। कभी ओले पड़ जाते हैं कभी तूफान आ जाता है। रही सही कसर हर साल फसलों की नई बीमारी पूरी कर देती है। दिखता कुछ और मिलता कुछ है। आगे अच्छा होगा, सोचकर फिर हल उठा लेते हैं।

बोले रही बात, विदेश में फसल बेचने की। फसल तो तब बिकेगी जब उसे विदेश तक ले जाने की हमारी हिम्मत हो। गाड़ी का भाड़ा तो शहर की मंडी तक लाने का नहीं जाता है। विदेश जाने में तो खुड(खेत) बिक जाएंगे। फसल निकले नहीं, उससे पहले खेत में ही बीज, खाद,राशन का हिसाब करने व्यापारी पहुंच जाते है।

सुशील कुमार
हिसार ।
www.womenexpress.in

एड्स का जागरुकता ही बचाव है

लगभग 200-300 साल पहले इस दुनिया में मानवों में एड्स का नामोनिशान तक नही था। यह सिर्फ अफ्रीकी महादेश में पाए जाने वाले एक विशेष प्रजाति के बंदर में पाया जाता था । इसे कुदरत के अनमोल करिश्मा ही कहे कि उनके जीवन पर इसका कोई प्रभाव नही पडता था। वे सामान्य जीवन जी रहे थे। ऐसी मान्यता है कि सबसे पहले एक अफ्रीकी युवती इस बंदर से अप्राकृतिक यौन संबंध स्थापित की और वह एड्स का शिकार हो गई क्योकि अफ्रीका में सेक्स कुछ खुला है , फिर उसने अन्य कईयों से यौन संबंध बनायी और कईयों ने कईयों से इस तरह एक चैन चला और अफ्रीका महादेश से शुरु हुआ यह एड्स की बीमारी आज पूरी दुनिया को अपने आगोश में ले चुकी है। आज पूरी दुनिया में 40 मिलियन के आसपास एच.आई.बी.पॉजिटीव है इनमें से 25 मिलियन तो डिटेक्ट हो चुके हैं जिसमें सिर्फ अमेरिका में ही 1 मिलियन इस रोग से प्रभावित हैं।हाल ही में जारी संयुक्त राष्ट्रसंघ की ताजा रिपोरट के अनुसार एच.आई.वी. से प्रतिदिन 6,800 लोग संक्रमित हो रहें हैं तथा कम से कम 5,700 लोग एड्स के कारण मौत को गले लगा रहे । संयुक्त राष्ट्र संघ के ताजा आंकड़े(2017) के हिसाब से 36.9 मिलीयन ग्रसित थे जिससमें 21.7 मिलीयन एंटी रेटेरोवायरल दवाई ले रहे है और 2017 में ही 1.8 मिलीयन इसके शिकार हुए है। वही भारत की बात करें तो 2017 में 2.1 मिलियन एड्स संक्रमित थे । 88,000 नये मरीज बढ़े वही 69,000 की मौत हुई और 56 प्रतिशत ब्यस्क रिट्रोवायरल दवा ले रहे थे। अपने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी एड्स पैर पसार चुका है। 2018 में 22,000 मरीज पंजीकृत थे वही आज 1,65,000 से ज्यादा केस हो चुके है । पिठले साल तक 36,924 पंजीकृत थे और 20,994 का इलाज चल रहा है।

भारत में कुछ मशहूर रेड लाइट एरिया मुम्बई, सोना गाछी (कोलकाता), बनारस, चतुर्भुज स्थान (मुज्जफरपुर), मेरठ एवं सहारनपुर आदि है। उनमें कुछ साल पहले तक तो सबसे ज्यादा सेक्स वर्कर मुम्बई में इस एड्स से प्रभावित थे पर आज एड्स से सबसे ज्यादा प्रभावित सेक्स कर्मी लुधियाना (पंजाब) में है और राज्यो की बात करे तो सर्वाधिक महाराष्ट्र में है। इसके बाद दूसरे स्थान पर आंध्र प्रदेश है।

इस बीमारी के फैलने का मुख्य कारण (8085 प्रतिशत) असुरक्षित यौन संबंध के कारण (तरल पदार्थ के रुप में बीर्य) ब्यभिचारियों, बेश्याओं, वेश्यागामियों एंव होमोसेक्सुअल है।इसके अलावे संक्रमित सुई के इस्तेमाल किसी अन्य के साथ करने,संक्रमित रक्त चढाने तथा बच्चों में मां के जन्म के समय 20 प्रतिशत का जोखिम और स्तनपान के समय 35 प्रतिशत का जोखिम रहता है एड्स के फैलने का। इस बीमारी के चपेट में आने पर एम्यूनी डिफेसियेंसी(रोग प्रतिरोधक क्षमता) कम हो जाती है।जिससे मानव काल के ग्रास में बहुत तेजी से बढ़ता है और अपने साथी को भी इस चपेट मे ले लेता है। अतः जरुरी है कि आप अपने साथी से यौन संबंध बनाने के समय सुरक्षित होने के लिए कंडोम का प्रयोग अवश्य करें। सन 1981 में इसके खोज के बाद अभी तक 30 करोड से ज्यादा लोग काल के गाल में पूरी दुनिया में समा चुके हैं।

लाल बिहारी लाल
www.womenexpress.in

अब तो बस करो और ना लो इम्तिहान

बहुत सता लिया यूँ जुल्म कर करके,
दिल में दर्द और आखों में पानी, भर भरके,
नहीं है अब और हिमम्त, कुछ सहने की
एक उम्र भी हो चली है , कुछ करने की.
अब तो बस करो और ना लो इम्तिहान
थक चुकी हूँ रख कर होठों पर मुस्कान
लगता इससे जहाँ को, जीत लिया आसमान
हुनर को मेरे यूँ ना परख और ऐ खुदा
दर्द का रिश्ता मुझसे यूँ जुड़ा, जैसे नही है जुदा.
अब तो बस करो, और ना लो इम्तिहान.
खुशियाँ ठहरी दर पर मेरे कभी क्षणिक,
सिरहाने से लगा कर, सहेजती जैसे हो मणिक
गमों को समेट कर, जी लेती आज और कल
रखती विश्वास अपने ईष्ट पर, घडी पल पल
अब तो बस करो, और ना लो इम्तिहान.
गैरों को मानकर अपना, हर फर्ज निभाती
अपने अरमानों को कुचल कर, हृदय लुटाती
मतलबी लोगों से ना शिकवा शिकायत करती
अपनी मस्ती में जी जान से जीवन जीती
अब तो बस करो, और ना लो इम्तिहान
देकर चंद लम्हें खुशी के छीन यूँ लेते हो
लगता रब के किरदारों से मुझे चुन लिया जाता हो
छांव में अक्सर मैंने दी है पनाह लोगों को
तपती धूप में यूँ छोडकर जाते मुझे,मै ढूंढती उन निगाहों को
अब तो बस करो और ना लो इम्तिहान.

रेखा पारंगी
www.womenexpress.in

विधाता की लीला...!

तेरा है दुनियां तेरा कारवाँ,
मिलता कर्मो का सिला।
मुसाफिर है इस दुनियां में,
सब विधाता की है लीला।
दुनिया के बाज़ार में, सत्य झूठ का मोल।
रस्ते का माल सस्ते में,
ठोक ठठाकर तोल।
सौदागिरी अनेक भाव,
एक बोली का काम।
खरा सौदा खरा खरा,
मुनाफ़ा लेना है हराम।
जोगी फेरी कर चला,
परखा नज़रों की चाल।
रस्ते का माल सस्ते में,
मुड़त बाल की खाल।
फ़क़ीरा मन भीतरी,
पढ़ता मन की बात।
जैसा फ़कीरी बोल की,
रूप व्यवहारिक साथ।
आज यहाँ कल वहाँ,
न जाने किस देश में,
महँगी फ़कीरी कब मिले,
न जाने किस भेष में।
खोजत फिरता रह गया,
मिला न रस्ते का माल।
जिसकी क़िस्मत खोखली,
चलता कैसे चाल।
पत्ते पत्ते में बट गया, एक डारा कई पान।
मूल जड़ मोल कहाँ,
बिखरा रह गया जान।
आँसू की किम्मत भी,
पहचान लेना जो अनमोल।
लिख देना कुछ अनकहे,
किस्से जिसका नही हो तोल।
सुखद पल की न हो अभाव,
विधाता की लीला अपरम्पार,
तुम जग में जग तुझमे बसता,
कृपा बरसाना जग में अपार।

दिव्यानंद पटेल
कोरबा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

मुसाफिर हैं हम सब

इस ज़िन्दगी में हम सब मुसाफिर हैं
हमारा घर एक मुसाफिर खाना है
कुछ समय ठहर कर इस ज़हां में
देर सवेर सबको यहां से जाना है
इस सफर में किसी को नहीं कोई खबर
कोई कैसे जाएगा किसको कब है जाना
कोई नहीं है जानता
कितना है साथ निभाना
मां के गर्भ से जन्म लेते हैं सभी
किस्मत सब की अलग अलग होती है
कोई गरीबी में उम्र गुज़ार देता है सारी
किसी पर लक्ष्मी मेहरबान होती है
कोई अपनी मेहनत से मंजिल पाता है
किसी को बना बनाया मिल जाता है
किसी को मेहनत करके भी कुछ नहीं मिलता
किसी के हिस्से में कांटों का ताज आता है
मंजिल पर पहुंचना है अगर मुसाफिर
तो पथरीली राहों से भी गुजरना होगा
ज़िन्दगी के चौराहे पर पहुंचकर
सही दिशा में बढ़ना होगा
मंज़िल उसी को मिलती है जो कर्म करके
तूफानों में भी हौसलों का दीपक जलाता है
बाजुओं की ताकत से ही मिलता है सब को
बिना मेहनत के कोई कुछ नहीं पाता है

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपर, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

हे वीर नमन तुम्हें

वीर तनय तनया से भरा है हमारा वतन,
आज के शुभ अवसर पर मैं दे रहा हूँ वचन,
हाथ मैं सत्य का थामकर खा रहा हूँ कसम,
कि हरसमय अपने हिंद के खातिर बढ़े मेरे चरण।
सैन्य के मान का गैंग ने है किया जब हनन
है किया मन उसे जाकर करूँ गटर में दफन,
टूकड़े गैंग को है मुझे आज दहन करना
टूकड़े गैंग सुन सैन्य से है हमारा वतन।
प्रभु श्री कृष्ण का याद करके वह अमिट वचन,
प्रभु ने जिसमे ये कहा देह ही है मरण,
रूह तो है अमर जो बदन को सिर्फ बदलते,
इस वजह बेझिझक हो किये थे बदन का पतन।

राहुल झा
बेगूसराय, बिहार ।
www.womenexpress.in

झुमका

तेरे प्रेम की यह निशानी ।
झुमके की जोड़ी मस्तानी।
अनमोल तेरे इस गहने को ,
पहन इसे हो जाऊं मतवाली ।
साजन मेरे का मन हर्षाये ।
मेरा झुमका जब इतराए ।
मेरे गालों को चूमे जब झुमका,
धड़कन पिया की मेरे बढ़ जाए ।
लाज शर्म से नैना मेरे झुक जाएँ ।
मुस्कान चेहरे का नूर बढ़ाए ।
शरारत कर छेड़े जब वो मुझको,
रूप मेरा और निखर सा जाए ।
चमक झुमके के आगे अब तो ।
चांद भी फीका लागे है उनको ।
बरबस नज़र है अटके उनकी,
जब से हैं मैंने पहने ये झुमके ।

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

प्रेम पथिक

चाह मेरी मैं राधा बन जाऊं
वंशी की धुन पर दौड़ी आऊं
गोपियों संग नाचूं थिरकू
कान्हा की मुरली बन जाऊं
मैं प्रेम पथिक कहलाऊं!!!
चाह मेरी मै कली से फूल बन जाऊं
फूलो की माला बन गूंथी जाऊं
वीरो के गले का हार बन जाऊं
अपने भाग्य पर इतराऊं इठलाऊं
मैं प्रेम पथिक कहलाऊं!!!
चाह मेरी मैं मीरा बन जाऊं

प्रियंका पांडेय त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

हम नील गगन के वासी है

तुमको मैंने न देखा,
पर तुमको ही महसूस किया।
ऐ नीलगगन के वासी!,
तुमको प्रियतम मैंने मान लिया।
तुमने मुझको जो कुछ भी,
जीवन के संग दान किया।
ऐ नीलगगन के वासी!,
मैंने आत्मतृप्ति महसूस किया।
जीवन की जब घनी धूप में,
खुद को मैंने तपता पाया।
ऐ नीलगगन के वासी!,
तू ही छाया बनकरके आया।
क्या करूं चाहना अब कुछ भी,
तुमसे ही सब कुछ पाया।
ऐ नीलगगन के वासी! ,
मेंरा प्रियतम बनकर तू आया।

रश्मि पाण्डेय
फतेहपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

शब्दों में होता है सरस्वती का वास

शब्दों में होता है सरस्वती का वास
शब्दों से होता विचारों का आदानप्रदान
शब्दों के बिना ना व्यक्त हो सकते विचार
शब्दों से होती भावनाओं की अभिव्यक्ति
दर्द में शब्द आंसू समान लगते हैं
खुशी के समय मोती बनकर बिखरते हैं
मधुर शब्द कानों में मिठास खोलते हैं
कटु शब्द तीर बनकर दिल में चुभते हैं
शब्दों से कभी बिगड़ी बात बन जाए
कभी शब्दों से बनती बात बिगड़ जाए
सोच समझकर शब्दों को व्यक्त कीजिए
जाने अनजाने में शब्दों से ना दर्द किसी को दीजिए
शब्दों को जब कलम का साथ मिल जाएं
दिल के हर जज्बात कागज पर उभर जाते
शब्दों को जब चीर काल तक सहेजा जाता
स्वर्ण अक्षरों में अंकित इतिहास वो बन जाते।।

प्रेमलता चौधरी
फालना, पाली, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

माँ तेरे सम्मुख थी विकट परिस्थितियाँ खड़ी

स्वामिभक्ति में निज पुत्र मृत्यु शैय्या सुला गई,
मेवाड़ रक्षार्थ हिय पाहन रख बलिदान कर गई।
माँ तेरे सम्मुख थी विकट परिस्थितियाँ खड़ी,
वीरांगना बन तू निज कर्तव्य पर अडिग रही।
राजकुँवर को माँ बनकर तुमने गोद खिलाया,
चंदन से बढ़कर उदय पर तुमने ममत्व लुटाया।
राजगद्दी रिक्त उतराधिकारी नन्हा सा बालक ,
स्वामी वचन निभाने तुम बनी सच्ची पालक।
उदय को सुरक्षित रख तुमने वचन निभाया ,
अपनी गोद सूनी कर राणा का वंश बचाया ।
गद्दी हथियाने बनवीर आया इरादा गंभीर लिए,
आया कुटिल साथ रक्त प्यासी शमशीर लिए।
भनक लगते ही तुमने जल्द योजना बनाई,
उदय को पत्तलों की टोकरी से बाहर भिजवाई।
अर्द्ध रात्रि में उदय की जगह चंदन को सुलाया,
स्वामीभक्ति में माँ से बढ़कर तुमने फर्ज निभाया।
हाय !शमशीर से बालक पर किए कितनें वार ,
हो गए टूकडे टूकडे रक्त से रंग गई तलवार।
धार बह गई लहू की पर माँ ने न चित्कार किया,
मेवाड़ बचाने को अपने लाल का बलिदान किया।
राष्ट्र धर्म निभाया तुमने रहोगी सदा हिंद की शान,
बलिदानी वीरांगनाओं से धन्य हुआ राजस्थान।

सुमन राठौड़
झारखंड ।
www.womenexpress.in

सरल नहीं है भाव समर्पण

सरल नहीं है भाव समर्पण,
करना निज सर्वस्व ही अर्पण।
सहज त्याग निःस्वार्थ भाव सब,
अंतस में ही है प्रकटाते
नहीं ये किंचित भाव बाहरी ,
जो तन पर जाए उपजाते।
प्रेम पात्र बाहर हो किन्तु ,
प्रेम सदा भीतर रहता है।
प्रेमी किंचित मर जाए पर ,
प्रेम सदा निर्जर रहता है।
बाहर भीतर की सीमा को,
तोड़ प्रेम उर में बसता है।
पुनित प्रेम का ही तो नित,
पर्याय है बनता भाव समर्पण
सरल नहीं है भाव समर्पण,
करना निज सर्वस्व ही अर्पण
नियम है यह तो प्रकृति का,
पाता वही जो करता अर्पण
मिट्टी भी कंचन बन जाए,
पावन हो यदि मन का दर्पण
पूर्ण समर्पित हृदय सदा हो,
नहीं हो जिज्ञासा पाने की।
मरुधर भी उपवन बन जाए,
स्नेहसिक्त हो जल का वर्षण।
प्रेम नहीं है नाम मिलन का,
यह चाहे सम्पूर्ण समर्पण
ईर्ष्या, झूठ, संदेह, अहम का,
यह तो नित ही मांगे तर्पण।
सरल नहीं है भाव समर्पण,
करना निज सर्वस्व ही अर्पण
वन में राम सहित सीता का,
जाना भी था नीति संगत
किन्तु उर्मिला की निष्ठा तो,
लिए हुए थी तप की रंगत
मीरा राधा का भी जग में,
कृष्ण प्रति था भाव समर्पित
एकलव्य और अर्जुन भी तो,
त्याग भाव से हुए थे अर्पित
पूर्ण समर्पित हृदय था उनका,
नहीं था किंचित भी आकर्षण
सम्बन्धों की नींव हैं बनते,
श्रद्धा निष्ठा त्याग समर्पण
सरल नहीं है भाव समर्पण
करना निज सर्वस्व ही अर्पण।

पवन सोलंकी
सुमेरपुर, पाली, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

अविरल धारा

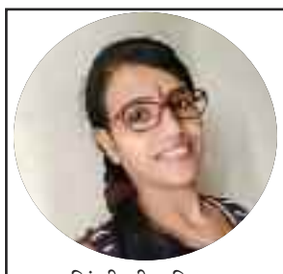

जिंदगी की अविरल धारा
निरंतर चलती रहती
क्षण क्षण, पलपल कम होता रहता
गंगा की तरह इसका
प्रवाह कभी न रूकता,
कभी न थकता अविरल
धारा सा बहता रहता
राहें टेडी मेडी पथरीली
कहीं कंटीली चुभती है
फिर भी जिंदगी की धारा
अविरल सी बहती है
जिंदगी में प्रेम अविरल
प्रेम के गीत अविरल
बढता ही जाता प्रेम
अविरल सा बहता है प्रेम
जैसे दरिया की धारा
अविरल बढती जाती
सागर के चीर में समाती
जीवन की धारा अविरल
पंचतत्व में विलीन हो जाती

उर्मिला कुमारी पाटीदार
अरनोदा, चित्तौड़गढ़, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

टीस...

फटता है कलेजा
घुटी चींखें बाहर आने को मचलती हैं
जलतीं हैं आँखें
खारी नदियां समन्दर में कूद पड़ती हैं
तड़पतीं हैं सांसें
कमज़ोर धड़कनें धौंकनी सी चलती हैं
लड़खड़ाते हैं कदम
दलदली ज़मीं धीमे धीमे खिसकती है
गुफा है अँधेरी, रोशनी नदारद,
आवाज़ें गुम
दूर दूर तक पसरा है सन्नाटा
खीझता, पसीजता, खुद से ही टकराता
स्याह हुआ आसमां,
तितलियों ने उड़ना
जुगनुओं ने चमचमाना छोड़ दिया
नहीं कोई संगीत बारिश की बूंदों में
नहीं कोई हरकत छुईमुई के फूलों में
नहीं गरजतीं घटाएं, बिजलियाँ
नहीं चमकतीं
नहीं खिलतीं कलियाँ,
कोयलिया नहीं कूकतीं
अजब सा मंज़र है, धधकती सी टीस
और इन सबके बीच
इक नन्हा सा दिया
तूफानी लहरों में डगमग चलता !
अपनों की तोहमतें, गैरों की बेइंसाफियां
हंसते हुए झेलता !!
सुनो ! इन उँगलियों में जान बाकी है अभी
गोद जाऊंगी कुछ इबारतें नई !!

अनुपमा सरकार
www.womenexpress.in

बेटी की आँखों में उड़ान

पिता बेटी की आँखों में देखता
सपने, कल्पनाएँ
अन्तरिक्ष में उड़ानों के
पंख संजोता सपनों में ।
मन ही मन बातें करता
बुदबुदाता
मेरी बेटी का ध्यान रखना
जानता हूँ अन्तरिक्ष में
मानव नहीं होते
इसलिए हेवानियत का
प्रश्न नहीं उठता ।
पिता हूँ फिक्र है मुझे
बड़ी हो चुकी बेटी की
छट जाते है, जब भ्रम के बादल
तब दूर से सुनाई देती है
भीड़ भरी दुनिया में
उत्पीडन की आवाजें
उन्हें रोकने का बीड़ा उठाती
बेटी की आक्रोशित आँखे ।
देती चीखों के उन्मूलन का
देखता हूँ विस्मित नज़रों से
फिर से संजोये सपनो को
बेटी की आँखों में उडान
उत्पीडन से निपटने की
होंसलो ,कल्पनाओ के साथ ।

संजय वर्मा
125 ,शहीद भगत सिंग मार्ग
धार, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

उसने पहले ही पूछा, बोलो क्या काम हैं ?

मै जब किसी के यहां गया,
उसी का काम करने
उसने पहले ही पूछा , बोलो
क्या काम हैं ,?
मैं गया था जन्मदिन की बधाई देने
उसने पहले ही पूछा , बोलो
क्या काम हैं ?
मैं गया था उसका खोया हुआ पर्स लौटाने
उसने पहले ही पूछा , बोलो
क्या काम हैं ?
मैं गया था उसके भाई को ब्लड डोनेट करने
उसने पहले ही पूछा , बोलो
क्या काम हैं ?
मैं गया था उसके उधार पैसे लौटाने
उसने पहले ही पूछा , बोलो
क्या काम हैं ?
मैं गया था आपकी पानी टंकी भर गई बताने
उसने पहले ही पूछा , बोलो
क्या काम हैं ?
मैं गया था उसके काम की जानकारी बताने
उसने पहले ही पूछा , बोलो
क्या काम हैं ?
मैं गया था खेती की सब्जी अनाज फ्री में देने
उसने पहले ही पूछा , बोलो
क्या काम हैं ?
मैं गया था उसकी परेशानी में मदद करने
उसने पहले ही पूछा , बोलो
क्या काम हैं ?
मैं किसी को मुस्कराकर लगा चरण स्पर्श करने
उसने पहले ही पूछा , बोलो
क्या काम हैं ?
मुझे किसीसे कोई काम नहीं सेवाधारी हूं
फ़िर भी उसने पूछा, बोलो क्या काम हैं?

एड किशन
भावनानी, गोंदिया, महाराष्ट्र ।
www.womenexpress.in

सेफ्टीपिन

वक़्त ज़रूरत
लिबास के दो सिरों को
जोड़कर आपस में
आलपिन से
काम चला लिया जाता हैं
मगर, रिश्ता
न जाने किन रेशों से
बुना होता हैं कि
उसे कभी भी
किसी भी सेफ्टीपिन से
जोड़ा नहीं जा सकता
रिश्तों को जोड़ने वाली भी
कोई तो पिन होती
काश...!!!

सुश्री इंदु सिंह
नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

कुछ तो हो

जीत नही तो हार ही सही,
सुख नहीं तो दुख ही सही,
अपने नहीं तो पराए ही सही,
दोस्ती नहीं तो दुश्मनी ही सही,
जीवन नहीं तो मृत्यु ही सही,
आदि नहीं तो अंत ही सही,
हमसफर नहीं तो हमराही ही सही,
धरती नहीं तो आसमां ही सही
जल नहीं तो अग्नि ही सही,
नव नहीं तो पुरातन ही सही,
ज्ञान नहीं तो

राजीव डोगरा
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

रूठा दोस्त

अहंकार मत कर ऐ मेरे दोस्त,
दो पल का है जीवन हमारा।
आओ साथ मिलकर जी लें,
मौसम है बहुत प्यारा प्यारा।।
जब याद आती है तेरी मुझे,
नैनों से अश्रुधारा बहती है।
खो सी गई है जिंदगी तेरे बिन,
ऐ दोस्त बस तेरी याद रहती है।।
अहंकार ने हरा तेरा विवेक,
क्रोध में दोस्ती तोड़ गये हो।
एक दूजे की पहचान थे हम,
आज अजनबी बन गये हो।।
ऐ मेरे दोस्त वापस आजा,
तेरी ही राहें तकता रहता हूँ।
किसकी नज़र लगी दोस्ती को,
बस यही बातें करता रहता हूँ।।

नवनीत शुक्ल (शिक्षक)
रायबरेली, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

कोहली की कप्तानी समझ में नहीं आती: गौतम गंभीर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 नवंबर । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के पहले दो मैचों में भारतीय टीम को मिली हार के बाद पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की कप्तानी की आलोचना करते हुए कहा कि कोहली की कप्तानी उन्हें समझ में नहीं आती। एक खेल वेबसाइट से बातचीत में गंभीर ने कहा,'मैं ईमानदारी से कहूं तो मुझे कोहली की कप्तानी समझ में नहीं आई। हम इस बारे में लगातार बात करते रहते हैं कि विकेट लेना कितना जरूरी है ताकि इस तरह के बल्लेबाजी क्रम को रोक सकें। तब आप अपने शीर्ष गेंदबाज को नई गेंद से सिर्फ दो ओवर डलवाकर रोक देते हो तो, मैं इस तरह की कप्तानी समझ नहीं सकता।' उन्होंने कहा,'मैं इस कप्तानी को समझा भी नहीं सकता। यह टी20 नहीं है। मैं इस फैसले को समझ नहीं सकता क्योंकि यह खराब ओवर डलवाते हो। आमतौर पर एकदिवसीय में तीन स्पैल होते हैं, 4 33 ओवरों के।' उन्होंने कहा, 'लेकिन आप अपने शीर्ष गेंदबाज को नई गेंद कप्तानी है।'गंभीर ने कहा कि अगर भारत को परेशानी हो रही है तो वह छठे गेंदबाज के तौर पर शिवम दुबे या वॉशिंगटन सुंदर को आजमा सकती हैं। गंभीर ने कहा, 'वह सुंदर या दुबे में से किसी को मौका दे सकते हैं, या जो भी टीम में हैं वो अगला मैच खेल सकते हैं और देख सकते हैं कि वह एकदिनी में किस तरह के खिलाड़ी हैं। लेकिन अगर आपके पास कोई है नहीं तो यह चयन की खामियां हैं।' बता दें कि भारत इस समय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन मैचों की एकदिनी श्रृंखला खेल रही है जिसके शुरुआती दो मैच हार कर वह श्रृंखला गंवा चुकी है। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 66 रनों से और दूसरे मैच में 51 रनों से हराया था।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम मंगलवार से गोवा में ट्रेनिंग शुरू करेगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन के बाद अपना पहला ट्रेनिंग शिविर मंगलवार से गोवा में राष्ट्रीय कोच मेमोल रॉकी के मार्गदर्शन में शुरू करेगी जो कोविड 19 महामारी के लिये एआईएफएफ द्वारा निर्धारित किये गये कड़े जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कराया जायेगा। भारतीय महिला टीम का नौ महीनों में यह पहला शिविर होगा। इसमें अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार टीम के डॉक्टर शेरविन शेरीफ द्वारा बनायी गयी मानक परिचालन प्रक्रिया का पालन किया जायेगा। महिला कोच रॉकी ने कहा कि टीम ट्रेनिंग बहाल करने को लेकर उत्साहित है क्योंकि उसकी निगाहें 2022 में एएफसी एशिया कप की तैयारियों पर लगी हैं। रॉकी ने एआईएफएफ डॉट कॉम से कहा, ''एएफसी महिला एशिया कप बड़ा टूर्नामेंट है ।

बाफ्टा इंडिया के राजदूत बने एआर रहमान

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 30 नवंबर । ऑस्कर और ग्रैमी विजेता भारतीय संगीतकार ए.आर. रहमान को भारत में बाफ्टा ब्रेकथ्रू पहल के राजदूत के रूप में चुना गया है। इस बारे में रहमान ने कहा, मुझे, बाफ्टा के साथ काम करने को लेकर खुशी हो रही है, ताकि भारत को फिल्म, गेम्स और टेलीविजन में कुछ अद्भुत प्रतिभाएं मिल सके। 4उन्होंने आगे कहा, यह होनहार कलाकारों के लिए विश्व प्रसिद्ध संगठन द्वारा समर्थित एक अनूठा अवसर है, जो न सिर्फ दुनिया भर के अन्य प्रतिभाशाली क्रिएटिव्स के साथ जुड़ने के लिए मौका देगा, बल्कि बाफ्टाविजेताओं और नामांकित व्यक्तियों द्वारा सलाह प्राप्त करने का भी मौका देगा। मैं भारत से चुनी गई शानदार प्रतिभा को वैश्विक मंच पर दिखाने के लिए उत्सुक हूं। यह पहल भारत में बाफ्टा के शुरुआती कदमों को चिह्नित करती है। टैलेंट हंट पहल भारत में फिल्म, खेल या टेलीविजन में काम करने वाली पांच प्रतिभाओं को पहचानने और उनका पोषण करने में सक्षम होगी। बाफ्टा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमांडा बेरी ने कहा, मैं हमारे शानदार राजदूत एआर रहमान के अमूल्य समर्थन के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं, जो अपने रचनात्मक कार्यों में उद्योग के लीडर हैं और नई प्रतिभा की पहचान और पोषण के लिए हमारे जुनून को साझा करते हैं। ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स ने सोमवार को साझा किया कि नेटफ्लिक्स द्वारा समर्थित बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया के लिए अब आवेदन खुले हैं। भारत में पहल के हिस्से के रूप में ब्रिटिश और भारतीय उद्योग विशेषज्ञों की एक जूरी साल भर के मेंटॉरिंग और गाइडेंस प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए पूरे भारत से पांच प्रतिभाओं का चयन करेगी। चुनी गई प्रतिभा ब्रिटिश और भारतीय क्रिएटिव उद्योगों से भी जुड़ेगी और सीखेगी, और विश्व स्तर पर बाफ्टा निर्णायक कलाकारों के रूप में पदोन्नत की जाएगी। बाफ्टा ब्रेकथ्रू ब्रिटेन में 2013 से और चीन में 2019 से चल रहा है, लेकिन इस साल पहली बार यह पहल भारत से प्रतिभा को पहचान रही है। ब्रेकथ्रू इंडिया के लिए जूरी की घोषणा की जानी बाकी है।

ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके चार मुक्केबाज टॉप्स में

नयी दिल्ली । ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके चार भारतीय मुक्केबाजों को खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम (टॉप्स) योजना में शामिल किया गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण ने यह जानकारी दी। इन मुक्केबाजों में विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता सिमरनजीत कौर (60 किलो) और एशियाई पदक विजेता पूजा रानी (75 किलो) शामिल हैं। एम सी मेरीकॉम पहले ही से इस योजना का हिस्सा है। पुरूष मुक्केबाजों में एशियाई रजत पदक विजेता आशीष कुमार (75 किलो) और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता सतीश कुमार (प्लस 91 किलो) शामिल किये गए हैं। इसमें अमित पंघाल (52 किलो), मनीष कौशिक (63 किलो) और विकास कृष्णन (69 किलो) पहले ही से शामिल हैं। लवलीना बोरगोहेन और कविंदर सिंह भी कोर समूह का हिस्सा हैं।

भारतीय हॉकी टीम के लिये भरोसेमंद खिलाड़ी बनना चाहते हैं शमशेर

बेंगलुरू, 30 नवंबर । युवा भारतीय मिडफील्डर शमशेर सिंह ने कहा कि कठिन परिस्थितियों ने उन्हें जीवन की अनिश्चितताओं के लिये अच्छी तरह तैयार किया है और बढ़ती महामारी के बीच वह टीम के लिये भरोसेमंद खिलाड़ी बनने पर ध्यान लगाये हैं।

हॉकी इंडिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ''मैंने बहुत मुश्किल परिस्थितियां देखी हैं, मेरे पिता खेती से आजीविका कमाते थे। हॉकी में शुरूआती दिनों में मैंने कई तरह की परेशानियों का सामना किया जिसमें मुझे आधारभूत चीजों जैसे स्टिक, किट और जूतों के लिये जूझना पड़ा। '' उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि पिछले अनुभव ने मुझे अनिश्चित हालात को अपनाने में मदद की और इस साल हम सभी को इस महामारी ने रोक दिया है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है कि हम अपने लक्ष्यों पर ध्यान लगाये रखें, भले ही कितनी भी परेशानियां आयें। '' तेईस साल के फारवर्ड ने सीनियर भारतीय टीम में पदार्पण पिछले साल तोक्यो में ओलंपिक परीक्षण प्रतियोगिता में किया। यह यादगार रहा क्योंकि भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 50 से हराकर टूर्नामेंट जीता था और इसी मैच में शमशेर ने देश के लिये सीनियर टीम में अपना पहला गोल किया।

जालंधर में सुरजीत सिंह अकादमी में हॉकी के गुर सीखने वाले शमशेर ने कहा, ''मैं अपने खेल को और सुधारना चाहता था और महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों में मौके ढूंढने की उम्मीद लगाये था जिनका आयोजन इस साल होना था। '' उन्होंने कहा, ''लेकिन महामारी के कारण बदलते परिदृश्य में मैंने अपना ध्यान अपनी बेसिक्स सुधारने और टीम के सीनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव हासिल करने में लगा लिया है। ''

अमृता राव: पहले प्रतिभा का होना जरूरी था, अब टैलेंट मैनेजमेंट है

मुंबई, 30 नवंबर । अभिनेत्री अमृता राव का कहना है कि साल 2002 में उनके करियर की शुरुआत से लेकर अब तक तुलना करने पर कलाकारों के लिए विजिविलिटी की अवधारणा ने सोशल मीडिया और टैलेंट मैनेजमेंट फर्मों को बदल दिया है। अमृता ने कहा, ''हम इन दिनों जो सोशल मीडिया और पीआर मशीनरी देख रहे हैं, इस युग से पहले एक कलाकार की लोकप्रियता और सेलिब्रिटी की स्थिति अभिनेता या अभिनेत्री की प्रतिभा की बाइप्रोडक्ट थी। जब मैंने एक किशोरी के रूप में उद्योग में प्रवेश किया और 'इश्क विश्क', 'मस्ती', और 'मैं हूं ना' जैसी फिल्मों में दिखाई दी तो लोगों ने मेरे प्रदर्शन के कारण मुझे देखा, हालांकि 'मैं हूं ना' जैसी फिल्मों में शाहरूख खान और सुष्मिता सेन जैसे सुपरस्टार हैं। इन दिनों अभिनेता सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति के कारण भी लोकप्रिय हो रहे हैं। मुझे लगता है कि एक अभिनेता के लिए, एक चरित्र और फिल्म के लिए याद किया जाना ज्यादा महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने आगे कहा, ''सोशल मीडिया पर लोकप्रिय हस्ती बनने में कोई बुराई नहीं है, बस एक बड़ा बदलाव हुआ है। मैंने ट्रांजिशन पीरियड के दौरान उद्योग में प्रवेश किया। इससे पहले, प्रतिभा का होना महत्वपूर्ण था और एक कलाकार के रूप में, हम अपने कौशल को बेहतर करते थे। अब टैलेंट मैनेजमेंट जैसी चीजें भी हैं। एक तरह से यह एक अच्छा सांस्कृतिक परिवर्तन है जो कलाकारों को नौकरी के अवसर के साथ अधिक सुरक्षित महसूस कराता है।''

जैकलीन ने समाप्त किया भूत पुलिस का धर्मशाला शेड्यूल

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने धर्मशाला में अपनी आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत पुलिस की शूटिंग शेड्यूल को समाप्त कर दिया है। अभिनेत्री को यहां से जाते हुए बुरा लग रहा है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर की, जिसमें वह ठंड के कपड़े पहने एक बगीचे में दिखाई दे रही हैं। वहीं अभिनेत्री लाल रंग के एक बड़े से गुलाब का सुगंध लेते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने शेयर तस्वीर को कैप्शन देते हुए लिखा, शेड्यूल रैप हैशटैग धर्मशाला, हैशटैग भूत पुलिस..यह कितना अच्छा समय था। मुझे पहले से ही टीम की याद आ रही है। अभिनेत्री सैफ अली खान, अर्जुन कपूर और यामी गौतम के साथ शूटिंग कर रही थीं और जल्द ही फिर से टीम के साथ एकजुट होने की उम्मीद कर रही हैं।

कलम कुछ कहना चाहती है

बिन पंखो उड़ना चाहती
मेरे उदास मन को टटोलती
कुछ लिखने को भी बोलती

गम के तराजू पर खुशियां
तोलती
हाथो में आते ही मुस्कुरा देती

निशा के अंधेरों में
नए किरणें भरना चाहती
शुन्य से शुरू कर
नया इतिहास रचना चाहती

कोरे पन्ने पर अपने रंगो से
सफ़र ज़िंदगी बयां करना
चाहती

मेरी कलम
बहुत कुछ कहना चाहती।

स्याह के जंजीरो से बंधी
बिन घुँघरू बजना चाहती

शायद मेरे एहसासों को
शब्दों से बटोरना चाहती

मेरे बिन बोले लफ़्ज़ों को
मेरे अश्कों से पढ़ना चाहती
मेरे मन में उठे तूफ़ान को
दूसरी ओर मोड़ना चाहती

शब्दों का सरोकार करके

निशा शर्मा
चापा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

आरजू की कड़वाहट

अब बारी तेरी कातिल खुद को
आजमाने की है।।

ये सच है तुझसे शिकायत कोई
बाकी ना रही,
बस शिकायत मुझे खुद से
जिए जाने की है।।

निशान की ग़ज़लों का शायद
आज कोई तलबगार नहीं,
पर आरजू गजलों को निशान
तेरे दिल में बसाने की है।।

मानते हैं, तुम ना बनोगी कभी हमारी
तुमको जिद अपना बनाने की है।।

मेरी हसरत, मेरी ग़ज़लें,
गुनगुनाने की है।
बंद होठों से सही, तुमको, ये
सुनाने की है।।

खुश हूं,मैं इस जमाने में,
लगता है, ये खुशी आंखों
से,आंसू सूख जाने की है।।
ये दिए हैं इम्तिहान सभी हंसते हुए,

डॉ.संजय सिंह
अलवर (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

बहारें फिर भी आती है

मेरी वफ़ाओं की थोड़ी तो,
आबरु रखना ।
तर्के ताल्लुक ही सही , हमें,
याद ही करना ।
ये ज़माना है दरमियां दरारें,
तो करेगा पैदा ।
शिकवा भी हो , ला करके,
मेरे रुबरु रखना ।
क़फ़स में भी कभी धोखे से,
आ जाओ तो ।
आस्मानों में उड़ने का तुम ,
होसला रखना ।
मौसम बहारों का चला भी,
गया ग़म कैसा ।
बहारें फिर भीआती है ,दिल में,
यकीं रखना ।
सारी दुनियां पे लुटा दे तु ,
मुहब्बत अपनी ।
मेरा हिस्सा मुश्ताक थोड़ा,
तो बचा के रखना ।

डॉ.मुश्ताक अहमद
हरदा, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

चल नदिया के तीर

भागत भागत वो चली ,पाने
सागर धाम ,
खोई खुद को वो नदी, खोया
अपना नाम।

बहती नदिया कह रही ,चलते
जाना मीत.
रुकना तेरी मौत है, चलना तेरी जीत।

पावन नदिया नीर है, कुदरत
का उपहार,
इसको रखते साफ़ जो ,पाते
जग का प्यार।

धरती के श्रृंगार से, जगत हुआ
गुलजार,
नदिया बहती झूम के ,पवन
भरे हुंकार।

शोर मचाती बह रही, क्रंदन
करे अधीर,
पीर नदी की देखने ,चल
नदिया के तीर।

महेंद्र कुमार वर्मा
पुणे [महाराष्ट्र] ।
www.womenexpress.in

शर्त-ए वफ़ा

निकले थे जो बाज़ार ए इश्क में..
बाज़ार ए इश्क में निकले थे जो
पूछा मैंने वफ़ा मिलेगी क्या,
क्या मिलेगी वफ़ा भी

आयी आवाज़ हाँ,हाँ.. मिलेगी
वफ़ा भी,
वफ़ा के साथ मिलेगा कुछ
मुफ़्त भी
पूछा मैंने क्या..??
तन्हाई आवाज़ आयी
वफ़ा के साथ मुफ़्त मिलेगी तन्हाई

मैंने झुकाकर सर शर्त ए वफ़ा
कबूल की ;
और चल दिए मुस्कुराकर,
अपने साथ लेकर,
फिर से वही..वफ़ा और तन्हाई

प्रीति सिंह (प्रीत)
वाराणसी (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

समय

समय को जिसने लिया पहचान
उसका हो गया कल्याण ।
समय किसी को बना देता है निर्धन
तो किसी को बना देता है धनवान ।
समय ने ही राम को किया बनवास
समय खराब हो फिर भी अपनो का
दें साथ ।
समय ने ही महाभारत का कराया युद्ध
समय ने ही रावण और दुर्योधन का किया नाश
समय कितना भी खराब हो बनाये
रखें विश्वास ।।

लक्ष्मण कुमार
दुमका, झारखंड ।

अरे मत पूछ तू मेरी अवस्था

अरे मत पूछ तू मेरी अवस्था।
सत्तर पार की है वद्धावस्था।

ना घर की चिंता ना कोई फ़िक्र
मनमौजी जीवन है बाल्यावस्था।
संघर्षों में ही बढ़ते रहते हैं जब।
आचार विचार की किशोरावस्था।
विपत्तियों में जो रहता मग्न हो
न देने की चिंता यही प्रौढ़ावस्था।

सुख दुख की मिश्रित अनुभूति।
पाप और पुण्य की वृद्धावस्था।

ना कोई घरद द्वार ना कोई प्यार
ना किसी की आस्था ना व्यवस्था।

हाथ ना पसारूं चलाने जीवन को
खजाना साथ हो तो मिले सुखावस्था।

डॉ रेखा जैन
शिकोहाबाद ।
www.womenexpress.in

एहसास तुम्हारे

तुम्हें निहारना, तुम्हें विचारना
विचारना फिर , तुम्हें निहारना
तुम्हें स्पर्श करना
तुम्हारी खुशबू को महसूस करना
बसे हो मन की अनंत गहराइयों में
ऐसा लगता है मानों,
जन्मों जन्मांतर से पहचानती हूं इनको
जानती हूं तुम्हारी आत्मा को
महसूस करती हूं तुम्हारी सांसों को
कितना सुंदर और सुखद है
तुम्हें निहारना, तुम्हें विचारना
तुम्हें महसूस कर पाना।

सपना मिश्रा
मुंबई।

माँ !! तुम भूल न जाना

माँ !! सुनो ना !!
दीवाली की तैयारी में,
कहीं तुम भूल न जाना।
हमें अपनी खुशियाँ भी,
थोड़ी तो मनाने देना।

माँ !! सुनो ना !!
कल है एक और त्योहार,
बाल दिवस से हो सरोकार।
लक्ष्मी पूजन तो रात में होगी,
दिन में बाल दिवस मनाने देना।

माँ !! सुनो ना !!
खूब मिठाई हमें खाने देना,
संगम क्लब भी जाने देना।
वहाँ मिलेंगे अनाथ बच्चों सँग,
उनके लिए तो उपहार लाने देना।

माँ !! सुनो ना !!
हम वहीं मनाएंगे दीवाली भी,
उन सँग खुशियाँ भी बाटेंगे।
रात में दीवाली पूजन करके,
अपनी खुशियाँ भी बाटेंगे।

माँ !! सुनो ना !!
बाल दिवस का सुनहरा अवसर है,
साथ में है दीवाली की खुशियाँ।
अपने पसन्द के सारे खिलौनों से,
भरना चाहते हैं उनकी झोलियाँ।

माँ !! सुनो ना !!
आखिरी विनती है तुमसे,
जो सिर्फ़ तुम कर सकती हो पूरा।
सबकी तृप्ति पूर्ण हो तुमसे,
अपने हाथों से खीर बनाकर।

गीतिका पटेल
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

प्रेयसी का खत

बंद लिफाफे में आया एमेरी
प्रेयसी का खत
छुपते छुपाते आयाए मेरी प्रेयसी
का खत।
लिफाफे की कोर .कोर कुंद
हो गयी थी
लगता है सबसे लड़ के आया
ए मेरी प्रेयसी का खत।
आंसुओ का अंबार लेकर
आया ए मेरी प्रेयसी का ख़त
धड़कनों का हिसाब लेकर
आया ए मेरी प्रेयसी का ख़त।
मैं उसे पढ़ू उससे पहले ही नमी
थी मेरी भी आँखों में
लगता है पीड़ाओ का पहाड़
लेकर आया ए मेरी प्रेयसी का ख़त।
कुछ हृदय के घावए कुछ
गुजरे लम्हे और कुछ मन के भाव
सब अंदार .ए .बयां लेकर
आया एमेरी प्रेयसी का ख़त
शिकायतों का सार लेकर आया
एमेरी प्रेयसी ख़त।
व्याकुलता है ख़त पढ़ने को
फिर भी सिसक .सिसक के रोउ
लगता है हादसो का ज्वार लेकर
आया एमेरी प्रेयसी का ख़त ।
शिकायतों का अम्बार लेकर
आया ए मेरी प्रेयसी का ख़त
भावनाओ का ज्वार लेकर
आयाए मेरी प्रेयसी का ख़त।
शायद चढ़ी हुई धड़कनों पर
अख्तियार नही आज उनका
इसलिये टेढ़े .मेढे सवाल
लेकर आया ए मेरी प्रेयसी का ख़त।
बोसो की बौछार लेकर आया
एमेरी प्रेयसी का ख़त
होठो का आकार लेकर आया
एमेरी प्रेयसी ख़त।
अभी भी उनकी गर्माहट
बरकार है मेरी सांसों में
लगता है फिर से शाम . ए बहार
लेकर आया ए मेरी प्रेयसी का ख़त।
पाजेब की झंकार लेकर आया
एमेरी प्रेयसी का ख़त
चूड़ियों की खनकार लेकर
आया एमेरी प्रेयसी का ख़त।
उनके झुमके पर थिरकती थी
मेरी प्रत्येक धड़कने
लगता है धड़कनों का हिसाब
लेकर आया ए मेरी प्रेयसी का खत।
मिलन का पयाम लेकर आयाए
मेरी प्रेयसी खत
आँखों का जाम लेकर आयाए
मेरी प्रेयसी का ख़त।
इस बार मिलकर अखूतर हो
जायेंगे हम दोनों
इसलिए मेहबूब का पैगाम
लेकर आया एमेरी प्रेयसी का ख़त।
बंद लिफाफे में आया एमेरी
प्रेयसी का खत
छुपते छुपाते आयाए मेरी प्रेयसी
का खत।
लिफाफे की कोर .कोर कुंद
हो गयी थी
लगता है सबसे लड़ के आया
ए मेरी प्रेयसी का खत।

मनोज यादव
www.womenexpress.in

हमें गर्व है

हमें गर्व है।
हमें गर्व है मां पर अपने,
जिसने मुझ को जन्म दिया।
बचपन में मैं पैर से मारा,
पर मां ने ही माफ किया।
मुझे गर्व है।
मुझे गर्व है मां पर अपने,
भूखा रहकर मुझे खिलाया।
प्यार किया है बड़ा किया है,
शिक्षा व संस्कार दिलाया।
मुझे गर्व है।
मुझे गर्व है पिता पर अपने,
मुझे नेक इंसान बनाया।
बुद्ध तथागत भीमराव की,
शिक्षाओं को हमें पढ़ाया।
मुझे गर्व है।
मुझे गर्व है पिता हमारे,
हमको है खूब पढ़ाए।
शील तथा अनुशासन देकर,
इंसा मुझे बनाएं।
मुझे गर्व है।
मुझे गर्व बड़े भैया पर,
पिता तुल्य हैं प्यार दिए।
जीवन के इस कठिन राह में,
सदा ही मेरा साथ दिए।
मुझे गर्व है।
मुझे गर्व है पत्नी पर,
खुश रहने का मंत्र दिया।
जीवन में किलकारी गूंजी,
प्यारी बिटिया मुझे दिया।
मुझे गर्व है।
मुझे गर्व है भीमराव पर,
शिक्षा व सम्मान दिए।
भारत मेरा करें तरक्की,
बहुत बड़ा कानून दिए।

बुद्धि सागर गौतम।
गोरखपुर, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

चंद्रग्रहण

जब आकाश हो उलकाओं
के बीच होती है हलचल
तब स्थान परिवर्तन ग्रह कर
ग्रहणों को लाते है।।

कभी शुभ प्रभाव तो कभी
दुष्प्रभाव ला जीवन को सताते है।।

आज चंद्रग्रहण के बारे मे हम
सबको समझाते है।।
जब एक सीध मे पृथ्वी, सूर्य, चंद्र
हो उसे चंद्रग्रहण बुलाते है।।

कभी शुभ प्रभाव तो कभी
दुष्प्रभाव ला जीवन को सताते है।।

दुनिया मे कहीं भूचाल ये ग्रहण
हैं लाते तो हीं ना दिख ये पाते हैं
ग्रहण के दौरान कितने जानकार
अपना अपना मत सुनाते हैं।।

कभी शुभ प्रभाव तो कभी
दुष्प्रभाव ला जीवन को सताते है।।

ज्योतिषी को बता विपती सबको
ग्रहणों से खूब डराते हैं।।
बताते हैं फिर कई उपाय जिन्हें
कर इंसान सुकून भी पाते हैं।।
कभी शुभ प्रभाव तो कभी
दुष्प्रभाव ला जीवन को सताते है।।

क्या वाकई ये ग्रहण आसमांन मे
हुई चालों से धरा पे रंग
बिखराते हैं।।
आज भी बहुत से पक्ष विपक्ष
मे ये
विवादित मुद्दे विषय बन रह
जाते हैं।।

कभी शुभ प्रभाव तो कभी
दुष्प्रभाव ला जीवन को सताते है।।

क्यों,कैसे,कब और कहां ये सवाल
आज भी सवाल बन नज़र आते हैं
आसमानों मे चल रही साज़िशों को
हम क्यों ना खुलके समझ पाते हैं।।

कभी शुभ प्रभाव तो कभी
दुष्प्रभाव ला जीवन को सताते है।।

वीना आडवानी
नागपुर, महाराष्ट्र ।
www.womenexpress.in

एक नजर

सोशल मीडिया में बहन की फोटो वायरल की, भाई ने एतराज किया तो कर दी हत्या

जबलपुर । मध्य प्रदेश में जबलपुर के रांझी क्षेत्र में 24 घंटे में ही एक और हत्या की वारदात से सनसनी फैल गई। करौंदी रेलवे लाइन के पास चार नाबालिगों ने एक किशोर की चाकू मार कर हत्या कर दी। किशोर की बहन की फोटो आरोपियों में से एक ने सोशल मीडिया में वायरल की थी। इसी बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया था। पुलिस ने चारों आरोपियों को हिरासत में लिया है। जानकारी के मुताबिक, मद्रास लाइन बापू नगर निवासी अशोक सिंह के मंझले बेटे कृष्णा (17) को शनिवार दोपहर सीओडी स्थित करौंदी रेलवे लाइन के पास 17 वर्षीय नाबालिग ने बातचीत के लिए बुलाया। उक्त नाबालिग ने अशोक सिंह की बेटी की फोटो सोशल साइट्स पर वायरल कर दी थी।

महिलाओं को धोखा देकर शादी फिर धर्मान्तरण का कुचक्र रोकने कानून बनेगा

मध्य प्रदेश सरकार का ऐलान, बेटियों की रक्षा के लिए कानून बनाने की तैयारी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, । मध्य प्रदेश सरकार भी अब उत्तर प्रदेश सरकार की तर्ज पर धर्मांतरण को रोकने के लिए कानून बनाने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बहनबेटियों को डराधमका कर, बहलाफुसला कर शादी की जाती है और फिर धर्मान्तरण का कुचक्र चलता है।

बेटी के जीवन को नरक बना दिया जाता है। राज्य सरकार इसे रोकने के लिये विधानसभा के अगले सत्र में विधेयक लाकर कानून बनायेगी। बहनबेटियों के सम्मान की रक्षा हर कीमत पर की जाएगी। दोषियों को सख्त सजा मिलेगी। महिला सशक्तीकरण हमारी सरकार का लक्ष्य है। हम इसे हासिल करेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सुशासन मध्यप्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। सरकार सज्जनों के लिये फूल से अधिक कोमल और दुर्जनों के लिये वज्र से भी अधिक कठोर है।

गरीब और किसानों का कल्याण हमारा लक्ष्य है। आमजन के हितों को संरक्षित रखा जायेगा। राज्य सरकार सी.एम. हेल्पलाइन और समाधान ऑनलाइन को पुन- प्रभावी ढंग से शुरू कर रही है। इससे जनता को सरकार के और करीब लाया जायेगा। देश की संसद ने किसानों के सर्वांगीण हित के लिये तीन कानून बनाये हैं। मध्यप्रदेश सरकार इन कानूनों का समर्थन करती है और किसानों के साथ हमेशा खड़ी है।मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश की जनता के नाम अपने संदेश में यह बात कही। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि गरीब व्यक्ति का कल्याण हमारा

लक्ष्य है। राज्य में किसी भी गरीब को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। उन्हें योजनाओं का लाभ सहजता से मिले यह राज्य सरकार सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मैदानी स्तर पर योजना का क्रियान्वयन और जनता की समस्याओं से अवगत होने के लिये वे स्वयं औचक निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में हर तरह के माफिया की कमर तोड़ने और उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकने के लिये संकल्पित है। सरकार ने जो कहा वो जमीन पर कर दिखाया है। प्रदेश में चौतरफा माफिया, तस्कर, गुंडों बदमाशों के विरूद्ध कार्रवाई चल रही है। पिछले कुछ दिनों में इन्दौर, भोपाल, मंदसौर, आगर, नीमच, जबलपुर, सतना और उज्जैन में कड़ी और बड़ी कार्रवाई की गयी है। इसी तरह प्रदेश में मिलावटखोरों को सबक सिखानें के लिये मिलावट से मुक्ति अभियान प्रारम्भ किया गया है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि किसान प्रदेश की आत्मा है। किसानों की चिंता करना मैंने अपना पहला कर्तव्य माना है। किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की संसद में किसानों के लिये और कृषि की उन्नति के लिये तीन कानून बनाये, जो पूरी तरह से किसानों के हित में है। किसान को अपनी फसल बेचने की पूरी स्वतंत्रता मिलेगी। चाहे वह फसल मण्डी में बेचे या मण्डी के बाहर बेचे।

उसे घर बैठे फसल के अच्छे दाम मिलेंगे। किसान को अनेक विकल्प मिलेंगे। किसान को बोनी के समय ही फसल की अच्छी कीमत मिल सकती है। विपरीत स्थितियों में किसान किसी भी कान्ट्रेक्ट से बाहर आ सकता है। समर्थन मूल्य पर फसल की खरीदी की व्यवस्था लगातार जारी रहेगी। मण्डियां चालू रहेंगी। हम पूरी ताकत से किसानों का हित साधने वाले इन कानूनों के समर्थन में खड़े हैं।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार ने अनेक कदम किसानों के हित में उठाये हैं। गेहूँ की समर्थन मूल्य पर खरीदी की गयी है। इस समय धान, ज्वार और बाजरा का समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। जो फसलें खराब हुयी हैं, उसके लिये किसानों को आर.बी.सी 6 (4) के तहत राहत सहायता और मुआवजा राशि किसान के बैंक खाते में डाली जाएगी। तीन दिसम्बर को प्रधानमंत्री किसान कल्याणनिधि के साथ जोड़कर बनायी गयी मुख्यमंत्री किसान कल्याणनिधि की राशि पाँच लाख किसानों के बैंक खाते में डाली जाएगी। चार हजार रूपये राज्य सरकार दो किस्तों में हर साल किसान को देगी। किसानों के हित में लगातार अनेक कदम सरकार आगे भी उठाती रहेगी। खेती को फायदे का धन्धा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी।

विदेशी छात्रों के जरिए भारतीय संस्कृति और परंपरा दुनिया भर में फैलीः डॉ. चोरड़िया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

पुणे। सूर्यदत्त ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय चोरडिया ने कहा कि भारत में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के कारण भारतीय संस्कृति और परंपराओं को दुनिया भर में फैलाने में मदद मिलती है। छात्र विभिन्न प्रकार से आदानप्रदान दोनों देशों की प्रगति में योगदान करते हैं। सूर्यदत्त को विदेशी छात्रों के लिए सहानुभूति है और पिछले 18 वर्षों में 250 से अधिक विदेशी छात्र सूर्यदत्ता से स्नातक बने है। वे यहां फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (फिसा) पुणे द्वारा कोरेगांव पार्क के वेस्टिन होटल में पुणे में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के लिए एक स्नातक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपना वक्तव्य दे रहे थे। इस समारोह को 58 देशों से लगभग 300 से ज्यादा छात्र उपस्थित थे। दोनों देशों की संस्कृति, परम्परा एक दूसरे को समझने के उद्देश्य से यह समारोह काफी मददगार रहा। इस दौरान सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ संचालित इंटरनॅशनल स्टुडंट्स सेंटर के संचालक प्रा. डॉ.विजय खरे, अफगाणिस्तान कौन्सलेट के कॉन्सुल जनरल शफीकुल्लाह इब्राहिमी,

एलपीसीपीएस के संस्थापक डॉ. एसपी. सिंह, अजिंक्य डीवाय पाटील युनिव्हर्सिटी द्वारा संचालित इंटरनॅशनल सेंटर की संचालक प्रो. निरुपमा प्रकाश, फिसा के अध्यक्ष अब्बा ओमर आदी उपस्थित थे। समारोह की शुरुवात अफगाणी नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमोसे हुई। चाड, तुर्कमेनिस्तान, अफगाणिस्तान, कॅमरून, युगांडा, केनिया, टांझानिया, दक्षिण सुदान, दक्षिण कोरिया, सौदी अरेबिया, येमेन, झांबिया, नायजेरिया, जिबूती, तुर्की, गॅम्बिया, कांगो, दक्षिण आफ्रिका, अंगोला, मलावी, श्रीलंका, नेपाळ, रुवांडा, कझाकस्तान, बुरुंडी, गिनी, लेसोथो, इथिओपिया, मालदीव, युक्रेन, रशिया, आयव्हरी कोस्ट, नायजर, थायलंड, बोत्सवाना, मोझांबिक, गॅबॉन, बेनिन प्रजासत्ताक, स्वाझीलॅंड, मादागास्कर, एरिट्रिया, इराक, इराण, इजिप्त, मोरोक्को, सोमाली, मॉरिशस, सेशेल्स आदि देशों से 300 छात्र शामिल हुए थे।

तमिलनाडु में 31 दिसम्बर तक लॉकडाउन बढ़ा

चेन्नई, 30 नवंबर (वेबवार्ता)। मुख्यमंत्री ई पलनीस्वामी ने प्रदेश में लॉकडाउन बढ़ा दिया है। सोमवार को मुख्यमंत्री पलनीस्वामी ने कहा कि कोरोना फैलने से रोकने के लिए चिकित्सा, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों और जिला कलेक्टरों के साथ चर्चा के आधार पर लॉकडाउन को 30 नवम्बर से 31 दिसंबर तक बढ़ाया गया है। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान जो छूट दी हैं उनमें मेडिकल और मेडिकल से संबंधित कार्यक्रमों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए कक्षाएं 7 दिसंबर से शुरू होंगी। हालाँकि, नए 202021 बैच के लिए कक्षाएं केवल 1 फरवरी, 2021 से शुरू होंगी। चेन्नई के मरीना बीच के साथसाथ राज्य के अन्य बीच को भी 14 दिसंबर के बाद फिर से खोला जाएगा। लॉकडाउन की इस अवधि के दौरान 50 फीसदी तक बैठने की क्षमता (अधिकतम 200 व्यक्तियों) के साथ सभागारों में सामाजिक, राजनीतिक, मनोरंजक और धार्मिक बैठकों की अनुमति होगी। इस मामले में संबंधित जिला कलेक्टर या चेन्नई पुलिस आयुक्त से पूर्व अनुमति अनिवार्य होगी। महामारी के प्रसार के आधार पर इस बात पर निर्णय लिया जाएगा कि खुली जगहों पर ऐसी बैठकों की अनुमति दी जाए या नहीं। राज्य सरकार ने प्रदर्शनी हॉल को फिर से खोलने की अनुमति दी लेकिन केवल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए। स्विमिंग पूल को फिर से खोलने की अनुमति है लेकिन केवल खेल प्रशिक्षण प्रयोजनों के लिए। पर्यटक स्थलों को भी कार्य करने की अनुमति दी जाएगी। पूरे राज्य में कोरोना प्रभावित क्षेत्र में नई छूट नहीं दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय हवाई यातायात मार्गों की अनुमति दी जाएगी। पलनीस्वामी ने आम जनता से घर से बाहर और अपने कार्यस्थलों पर हाथ धोने, आम जगहों पर शारीरिक दूरी के मानदंडों को सुनिश्चित करने और अनावश्यक रूप से बाहर जाने से बचने के लिए फेस मॉस्क पहनने की अपील भी की है।

मोदी संविधान की रक्षा करते हुए धर्म का पालन कर रहेः नरेन्द्र गिरी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

प्रयागराज, 30 नवंबर । साधु संतो की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेन्द्र गिरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वह संविधान की रक्षा करते हुए धर्म का पालन कर रहे हैं। महंत नरेंद्र गिरि ने सोमवार को प्रधानमंत्री के विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वह संविधान की रक्षा करते हुए धर्म का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के आज अपने वाराणसी दौरे के साथ ही हंडिया से वाराणसी तक छह लेन के राष्ट्रीय राजमार्ग दो का लोकार्पण कर प्रयागराज को भी सौगात देंगे। उन्होंने ने कहा मोदी के कार्यकाल में देश में सबसे ज्यादा सड़कों का विकास हुआ है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने भी सड़कों का जाल बिछाया है। महंत गिरी ने मोदी और श्री योगी से गांवों की सड़कों के भी जीर्णोद्धार की मांग की है। उन्होने कहा कि गांव की सड़कें बनने से प्रदेश के गांवों की तस्वीर बदल जाएगी। इसके अलावा

गिरी ने तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद का नाम बदल कर उसका प्राचीन नाम भाग्यनगर किए जाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मुगलों ने देश में सैकड़ों वर्षों तक राज किया और कई देश के प्राचीन शहरों के नाम बदल कर उसका इस्लामीकरण कर दिया था और अब देश आजाद है, ऐसे में जिस तरह से इलाहाबाद का नाम करीब 500 वर्षों बाद बदलकर प्रयागराज किया गया है और फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या किया गया है, उसी तरह से हैदराबाद का नाम भी बदलकर भाग्यनगर कर दिया जाना चाहिए। महंत नरेंद्र गिरी ने कहा है कि हो सकता है कि हैदराबाद का नाम बदलकर भाग्यनगर किए जाने से हैदराबाद के साथ ही साथ हैदराबाद से ऑल इंडिया मजलिस एइत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी का भी भाग्य बदल जाये। उन्होंने औवैसी द्वारा हैदराबाद का नाम बदले जाने का विरोध किए जाने को अनुचित करार दिया है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद का प्राचीन नाम दिए जाने में किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

शादी के विदाई के दौरान गिरी दीवार, मासूम की मौत

औरैया । अछल्दा थाना क्षेत्र के अंतर्गत शादी के विदाई कार्यक्रम के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया जब पड़ोसी की दीवार गिरने से तीन बच्चे खेलते समय दब गए। दीवार के नीचे से बच्चों को आननफानन में निकालकर अस्पताल ले जाया गया। जहां एक मौत व दो को सैफई रिफर किया गया। पूरी घटना अछल्दा थाना क्षेत्र के इटेली की है। जहां उमाशकर पाल की बेटी की बारात आई हुई थी। सुबह विदाई समारोह चल रहा था। रिस्तेदारी में आए बच्चे पड़ोस में रहने वाले मनोज सविता के मकान के बाहर खेल रहे थे। तभी अचानक मनोज सविता के मकान की कच्ची दीवार गिर गई। जिसके नीचे 5 वर्षीय इसु, 6 वर्षीय आकाश, 7 वर्षीय लवित दब गए। ग्रामीणों ने तत्काल दीवार के नीचे दबे बच्चों को बाहर निकलवाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अछल्दा में भर्ती कराया। जिसमे पांच वर्षीय इसु की मृत्यु ही गई जबकि दो को सैफई रिफर किया गया।

गुजरातः 3.2 तीव्रता के भूकंप से हिला सौराष्ट्र

अहमदाबाद, 30 नवंबर । सौराष्ट्र में आधी रात के बाद और सुबह आए भूकंप के तीन झटकों से लोगों में भय का माहौल है। तलाला ने देर रात एक झटका और सुबह एक झटका महसूस किए गए। जबकि मोरबी में सोमवार सुबह भूकंप आया। इसकी दहशत के कारण कुछ लोग अपने घरों से बाहर निकल भागे। इस भूकंप का केंद्र तलाला से 24 किमी पर और मोरबी जिले के मोरबी से 12 किमी पर बताया गया है।

सौराष्ट्र में तीन झटके लगने से लोगों के बीच आज भय का माहौल है। तलाला में देर रात एक झटका और सुबह एक झटका महसूस किया गया। जब सुबह मोरबी में भूकंप आया तो कुछ लोग घर से बाहर निकल आए। तलाला में रात 1.12 बजे 3.2 तीव्रता का और सुबह 2.0 तीव्रता का भूकंप आया। मोरबी में सुबह 6:57 बजे 1.9 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। चार दिन पहले भी भावनगर के पास समुद्र में 2.00 तीव्रता के दो भूकंप दर्ज किए गए थे। शहर से 44 किमी दूर समुद्र में चार दिन पहले सुबह 4 बजे ये दो हल्के झटके दर्ज किए गए थे। हालांकि, रिक्टर पैमाने पर परिमाण 2 के झटके को भावनगर वासियों द्वारा महसूस नहीं किया गया था। 4.00 बजे और 2 मिनट बाद 4:02 बजे ये झटके लगे थे। इसका केंद्र भावनगर से 44 किमी दक्षिणदक्षिणपूर्व में था और दूसरे का 46 किमी दूर था। राजकोट में एक महीने पहले दोपहर 1.25 बजे भूकंप आया था। हालांकि, भूकंप से शहर को कोई नुकसान नहीं हुआ। भूकंप का केंद्र राजकोट से 27 किमी पर बताया गया था। गत 16 जुलाई को 4.8 तीव्रता वाले आए भूकंप ने राजकोट को हिला दिया था। झटके महसूस करने वाले लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

किसान आंदोलन का असरः दिल्ली में फलों और सब्जियों की कीमत बढ़ी

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 30 नवंबर । देश की राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के धरनाप्रदर्शन के चलते फलों और सब्जियों की आपूर्ति बाधित होने से रविवार को इनकी कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। खासतौर से आलू और सेब के दाम बढ़ गए हैं। कारोबारियों का कहना है कि आवक घटने के कारण इनकी कीमतों में आगे और इजाफा हो सकता है। कारोबारियों ने बताया कि दिल्ली में इस समय नया आलू हिमाचल प्रदेश और पंजाब से आता है जबकि सेब जम्मूकश्मीर और हिमाचल प्रदेश से आता है, लेकिन किसान आंदोलन के चलते ट्रकों दिल्ली आने वाले मुख्यमार्ग पर धरना प्रदर्शन के चलते आवक बाधित हो गई है। दिल्ली में जहां सेब का खुदरा भाव रविवार को रुपये 120 किलो से ऊपर चल रहा था, जबकि दो दिन पहले राष्ट्रीय राजधानी में सेब 80 से 100 रुपये किलो बिक रहा था। इसी प्रकार आलू का भाव जहां 40 रुपये प्रति किलो चल रहा था

वहां रविवार को 50 रुपये किलो आलू बिक रहा था। इसी प्रकार, अन्य शाकसब्जियों के दाम में भी वृद्धि देखी गई। ग्रेटर नोएडा के खुदरा सब्जी विक्रेता पप्पू कुमार ने कहा कि किसान आंदोलन के कारण बीते दो दिनों से फलों और सब्जियों की आवक घट गई है, इसलिए कीमतों में तेजी आई है। उन्होंने कहा कि किसानों का आंदोलन आगे और जारी रहा तो आलू और सेब के दाम में और इजाफा हो सकता है। दिल्ली की आजादपुर मंडी रविवार को बंद रहती है, लेकिन शनिवार मंडी में आलू की आवक सिर्फ 783.5 टन थी, जबकि किसानों का प्रदर्शन शुरू होने से पहले मंगलवार को 1,700 टन से ज्यादा आलू की आवक दर्ज की गई थी। कोराबारियों ने किसानों के आंदोलन के कारण बताया कि पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मूकश्मीर से आने वाले फलों और सब्जियों की आवक पर असर पड़ा है। आजादपुर मंडी के कारोबारी व पोटैटो एंड ऑनियन मर्चेंट एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी राजेंद्र शर्मा ने प्रदर्शनकारी किसान नेताओं से फलों और

सभी कक्षाओं के छात्रों को भागवत गीता पढ़ाएं जनहित याचिका - हाईकोर्ट ने खारिज की

गोंदिया । भारत को सन 1947 में आजादी मिली किन्तु विभाजन के मर्म एवं देश में साम्प्रदायिकता और दंगों से उत्पन्न हुई परिस्थितियों ने देश के सम्मुख धर्मनिरपेक्ष छवि को कायम रखना सबसे बड़ी चुनौती थी। ये दौर भारतीय इतिहास में उथल पुथल का दौर था और आजादी के पश्चात कई राजनितिक दल एवं नेता धार्मिक गोलबंदी के कारण भारत को भी पाकिस्तान की तर्ज पर एक हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहते थे। किन्तु संविधान सभा के कई सदस्य एवं देश के संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता की वजह से भारत कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों के विचारों से प्रभावित नही हुआ और अपनी धर्मनिरपेक्ष राज्य की छवि को बनाये रखने में सफल रहा। भारतीय प्रधानमंत्री का संदेश सबका साथ सबका विकास और हमारा भारत का संविधान हमारे पास एक ऐसा अस्त्र है जिसको शासन, प्रशासन, न्यायपालिका या कितनी भी बड़ी हस्ती हो, नकार नहीं सकता और संविधान का सम्मान करना ही होगा, यह हम भारतीयों की सबसे बड़ी विश्वप्रसिद्ध खूबसूरती है। भारतीय संविधान में ऐसे कई अनुच्छेद हैं जिसमें धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है, जैसे अनुच्छेद 25 से 28, अनुच्छेद 29,30 के माध्यम से भाषाई एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों को उनकी विशिष्ट पहचान एवं संस्कृति के सरंक्षण का प्रावधान है, फिर भी 1976 में संविधान के 42 वे संविधान संशोधन में धर्म निरपेक्षित शब्द को जोड़ा गया। भारतीय धर्म निरेक्षता पर अलेक्जेंडर ओविक्स ने लिखा है। धर्म निरपेक्ष भारत के संविधान के मूल का एक अभिन्न हिस्सा है और इसका अर्थ सबके लिए समान स्वतंत्रता एवं सभी धर्मों के प्रति सम्मान का भाव है। न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया के बेंच के सम्मुख जनहित याचिका क्रमांक 22346/2020 ब्रम्हशंकर शास्त्री बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, द्वारा सचिव बेसिक शिक्षा लखनउ व अन्य आया।

मछली पकड़ने के अनुपयोगी उपकरणों से होने वाला 'प्लास्टिक प्रदूषण' जलीय जीवों के लिए है घातक

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 30 नवंबर । मछली पकड़ने संबंधी बेकार हो चुके उपकरणों के कारण गंगा नदी में होने वाला प्लास्टिक प्रदूषण लुप्तप्रायः प्रजाति के कछुए और गंगा नदी में पाई जाने वाली डॉल्फिन जैसे जलीय जीवों के लिए बहुत बड़ा खतरा है। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों समेत शोधकर्ताओं के एक अंतरराष्ट्रीय दल द्वारा किए गए एक शोध में यह तथ्य सामने आया है। यह शोध जर्नल साइंस ऑफ द टोटल एन्वायर्मेंट में प्रकाशित हुआ है। इसमें बांग्लादेश में नदी के मुहाने से लेकर भारत में हिमालय तक किए गए सर्वेक्षण में पता चला कि मछली पकड़ने के बेकार उपकरण सर्वाधिक मात्रा में समुद्र के निकट हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि इन बेकार वस्तुओं में जो सबसे ज्यादा संख्या में देखी गई है वह मछली पकड़ने की प्लास्टिक से बनी जाली है। स्थानीय मछुआरों से बातचीत में पता चला कि मछली पकड़ने के बड़ी संख्या में अनुपयोगी उपकरण नदी में फेंक दिए जाते हैं। इसका पहला कारण तो यह है कि ये उपकरण लंबे समय तक नहीं चलते तथा दूसरी वजह है कि इनके निस्तारण के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है।

ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी ऑफ

एक्जटर की सारा नेल्म्स ने कहा, ''गंगा नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा मत्स्य पालन व्यवसाय होता है लेकिन इस उद्योग से उत्पन्न होने वाले प्लास्टिक के कचरे तथा जलीय जीवों पर इसके प्रभाव को लेकर कोई शोध नहीं किया गया।''

उन्होंने कहा, ''प्लास्टिक निगलने से जीवों को नुकसान पहुंच सकता है लेकिन खतरे का हमारा आकलन इस कचरे में जीवों के उलझ जाने पर केंद्रित है जिसमें विविध समुद्री प्रजातियों के जीव घायल हो जाते हैं या मर जाते हैं।'' शोधकर्ताओं ने नदी में मिलने वाली 21 प्रजातियों की सूची के जरिए आकलन किया। यह सूची उत्तराखंड के वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने तैयार की है। जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ लंदन की प्रोफेसर हीथर कोल्डवे ने बताया कि शोध के निष्कर्षों से अनुपयोगी वस्तुओं से अन्य वस्तुएं बनाकर कचरे में कमी लाने जैसे समाधान के लिए उम्मीद जगी है।

भारतीय वायु सीमा में घुसा पाक फाइटर जेट, हाई अलर्ट

भारतीय एयर स्पेस का उल्लंघन किये जाने की जांच शुरू

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 30 नवंबर। पाकिस्तान के फाइटर जेट ने सोमवार को पुंछ के मेंढर सेक्टर में एलओसी के साथ भारतीय वायु सीमा का उल्लंघन किया। इसके बाद पूरे एलओसी क्षेत्र में सेना और वायुसेना को हाई अलर्ट पर रहने का आदेश दिया गया है। पाकिस्तानी वायुसेना के भारतीय एयर स्पेस का उल्लंघन किये जाने की जांच की जा रही है कि यह गलती से हुआ या फिर पाकिस्तान ने किसी साजिश के तहत ऐसा किया है। एलओसी पर हाई अलर्ट जारी होने के बाद किसी भी तरह के दुस्साहस के जवाब देने के लिए राफेल विमान भी पूरी तरह से लैस होकर आसमान में घूम रहे हैं। पाकिस्तान के साथ ही चीन की सीमा पर भी हवाई हलचल बढ़ी है क्योंकि रविवार की रात पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीनी जेट विमा नों ने उड़ान भरी। सोमवार की सुबह पाकिस्तान के फाइटर जेट ने पुंछ के मेंढर सेक्टर में एलओसी के साथ भारतीय वायु सीमा का उल्लंघन किया। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने आज सुबह जम्मू और कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर एक 'पाकिस्तानी जेट' को देखा और पीएएफ फाइटर जेट्स एलओसी

के करीब पहुंच गए। यह पाकिस्तान का जेएफ 17 भी हो सकता है क्योंकि मुशाफ एयर बेस भी एलओसी के करीब है। हालांकि रडार डेटा की विस्तृत जांच के बाद ही प्रकार का ठीक से पता लगाया जा सकता है। पाकिस्तानी जेट के पुंछ में एलओसी के पास उड़ान भरते ही भारतीय वायुसेना ने हाई अलर्ट जारी कर दिया। भारत ने लड़ाकू विमान राफेल को पूरी तरह से लैस करके एलओसी के करीब आसमान में तैनात कर दिया। एलओसी के आसमान पर मंडरा रहे राफेल किसी भी तरह के दुस्साहस को जवाब देने के लिए तैयार हैं। नगरोटा एनकाउन्टर के बाद पाकिस्तानी एयरफोर्स को हाई अलर्ट पर रखा गया है। भारत ने पहले ही इस मुद्दे पर पांच देशों को इस बारे में अवगत करा चुका है। इसके बाद पाकिस्तान को इस बात का डर है कि भारत पाक के खिलाफ बालाकोट जैसे हमले कर सकता है। भारत की इस कार्यवाही के बाद पाक सेना के सीजीएस ने पीएएफ के डीसीएएस (ऑप्स) और डीसीएएस (एडी) से मुलाकात की और इसके बाद पाकिस्तान के सेना प्रमुख बाजवा ने पाक सेना के कोर कमांडरों की तुरंत बाद बैठक की थी। अभी दो दिन पहले भी पाकिस्तानी वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने एलओसी के आसपास उड़ान भरी थी लेकिन सोमवार की सुबह पाकिस्तान के फाइटर जेट ने पुंछ में एलओसी के साथ भारतीय वायु सीमा का उल्लंघन किया है।

चीन सीमा पर रविवार की रात चीनी एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने लद्दाख इलाके के आसपास उड़ान भरी और बॉर्डर के बेहद करीब उड़ान भरते देखे गए हैं। रविवार को दिन में भी बॉर्डर पर चीनी जेट उड़ान भरते दिखाई दिए थे। कई चीनी लड़ाकू जेट विमानों ने कल रात पूर्वी लद्दाख में एलएसी के पास उड़ान भरी। भारतीय वायुसेना ने अपने जेट विमानों की भी जांच की। कोई झड़प नहीं हुई है लेकिन स्थिति बेहद तनावपूर्ण है। यहां पहले से ही अलर्ट भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान भी तत्काल आसमान में पहुंच गए जिससे आसमान में दोनों देशों की हवाई हलचल बढ़ गई।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय

नैनी स्टेशन के सामने

प्रभारीः

सुजीत चौरसिया

Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।

RNI.DELHIN / 2013/ 48606

मो.– 07042999974

टेली– 09013 518 518

www.womenexpress.in

thewomenexpress@gmail.com

वूमेन एक्सप्रेस

सतगुरु नानक प्रगटया, मिटी धुंध जग चानन होया

एक नजर

पराली जलाने के आरोप में सैटेलाइट से पकड़े गए 8 किसान

मीरजापुर । जिले में पराली जलाने के आरोप में सैटेलाइट से आठ किसान पकड़े गए। इन किसानों से 25 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया है। इनमें सदर, मड़िहान और चुनार तहसील के किसान शामिल है। वहीं कूड़ा जलाने पर एक व्यक्ति को नोटिस दी गयी है चेतावनी दी गयी है कि दोबारा कूड़ा जलाया गया तो रपट दर्ज करा दी जाएगी। उप निदेशक कृषि ने किसानों से पराली जलाने की बजाय निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों को दान देने का अनुरोध किए है। उप निदेशक कृषि अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि चुनार तहसील के जमालपुर ब्लाक के ग्राम सभा भड़ेवल में कृषक अनिकेत सिंह पुत्र अंजनी सिंह ने अपने खेत में पराली जला दिए थे। दो दिन पूर्व की घटना को सैटेलाइट से पकड़ा गया था। शासन से रिपोर्ट मिलने पर अनिकेत सिंह से 2500 रुपये जुर्माना वसूला गया। सदर तहसील विकास खण्ड मझवां के कृषक पंचम सिंह पुत्र देवी चरन सिंह के भी पराली जलाने के आरोप में सैटेलाइट की रिपोर्ट पर 2500 रुपये व मड़िहान तहसील के ग्राम बभनी थपनवा के कृषक तीर्थ नरायन पुत्र गंगा से 15000 हजार रुपये जुर्माना जमा कराया गया।

कार्तिक पूर्णिमा पर पंचनद धाम में लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

औरैया । देश के सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थान पंचनद धाम बाबा साहब मंदिर पर कार्तिक पूर्णमासी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने आज आस्था की डुबकी लगाई जिसमें देखा गया कि लोगों ने बढ़चढ़कर के वहां पर दान पुन्य कर अपने को धन्य समझा, कार्तिक माह सभी 12 माह में आति पुनीत और धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मास माना जाता है। शास्त्रों में बताया गया है कि कार्तिक माह में स्नान कर भोलेनाथ का अनुष्ठान और दीपदान करने से सौभाग्यशाली जीवन प्राप्त होता है कन्याएं इस माह प्रतिदिन स्नान कर भगवान भोलेनाथ की पूजा कर अपने सुयोग्य वर और उज्जवल भविष्य की कामना भी करती हैं जो उनको प्राप्त भी होता है इसी क्रम में आज पचना धाम पांच नदियों के संगम यमुना चंबल सिंध पहूज क्वांरी नदियों पर लोगों ने सुबह से ही पहुंचकर आस्था की डुबकी लगानी शुरू कर दी जो खबर लिखे जाने तक जारी थी । वहां पर शासन प्रशासन ने प्रतिवर्ष लगने वाले भव्य मेले के लिए आदेश नहीं दिया जिसके कारण मेला प्रांगण में बीड़ा बतासा प्रसाद और कुछ आवश्यक वस्तुओं की दुकानों के अलावा कोई भी बड़ा आयोजन मेले में नहीं देखा गया। जिसमें यहां के स्थानीय निषाद संप्रदाय की भूमिका महत्वपूर्ण देखी गई ।

झारखंड में सीआरपीएफ 197 बटालियन के ASI ने खुद को गोली मारकर की खुदकुशी

रांची । झारखंड के पश्चिम सिंहभूम से बड़ी खबर आ रही है। यहां जिले के किरीबुरू के समीप करमपदा में सीआरपीएफ 197 बटालियन के एएसआई ने गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। घटना सोमवार सुबह 5.30 बजे की बताई जा रही है। सीआरपीएफ के एएसआई मृतक बुमेर सिंह राजस्थान के कोटा के रहनेवाले थे। खुदकुशी की घटना के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। वरीय अधिकारियों ने घटना की सूचना उनके घर वालों को दे दी है। वहीं किरीबुरु पुलिस घटना की जांच कर रही है। इससे पहले झारखंड में विधानसभा चुनाव के समय रांची में चुनाव ड्यूटी पर आए छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स के एक जवान ने कंपनी कमांडर की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद को भी गोली मार कर खुदकुशी कर ली थी। इस घटना में एक अन्य जवान घायल भी हुआ था। मृतक कंपनी कमांडर मेला राम कुर्रे और जवान विक्रम राजवाड़े दोनों ही छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 4 बटालियन बी कंपनी में थे। वे यहां खेलगांव स्टेडियम में बने कैंप में रुके हुए थे। जानकारी के मुताबिक पहले दोनों जवान पलामू में भी चुनावी ड्यूटी कर चुके थे। प्रारंभिक जांच में बताया गया था कि कंपनी कमांडर ने घटना के कुछ दिन पहले ही जवान को खिलाफ कमांडेंट से अनुशासनहीनता और अत्यधिक शराब पीने की शिकायत की थी।

पीएम मोदी ने दिया काशी को आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपहार

आधुनिक कनेक्टिविटी का विस्तार होने पर किसानों को इसका बहुत लाभ मिलता है: प्रधानमंत्री

(विशेष संवाददाता)

वाराणसी, 30 नवम्बर । भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि किसी क्षेत्र में आधुनिक कनेक्टिविटी का विस्तार होने पर किसानों को इसका बहुत लाभ मिलता है। बीते वर्षों में गांवों में आधुनिक सड़कों के साथ भण्डारण, कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्थाएं स्थापित करने के प्रयास किए गए हैं। इसके लिए 01 लाख करोड़ रुपए का फण्ड भी बनाया गया है।

प्रधानमंत्री आज जनपद वाराणसी में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या2 के हण्डियाराजा तालाब खण्ड के 6 लेन चैड़ीकरण कार्य को लोकार्पित करने के पश्चात अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में काशी के सुन्दरीकरण के साथसाथ यहां की कनेक्टिविटी के लिए किए गए कार्यों का लाभ सभी देख रहे हैं। नए हाईवे, पुलफ्लाईओवर के निर्माण के साथसाथ, ट्रैफिक जाम की समस्या के समाधान के लिए मार्गों के चैड़ीकरण आदि का जितना कार्य बनारस तथा उसके आसपास अभी हो रहा है, उतना आजादी के बाद कभी नहीं हुआ।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि अवस्थापना विकास के कार्यों से गरीबों, छोटे उद्यमियों, मध्य वर्ग के लोगों को लाभ मिलता है। अनेक लोगों को रोजगार प्राप्त होता है। यह परियोजनाएं श्रमिकों के रोजगार का सबसे बड़ा माध्यम हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी की टीम द्वारा इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्यों में अभूतपूर्व तेजी लायी गई है। आज उत्तर प्रदेश की

पहचान एक्सप्रेस प्रदेश के रूप में सशक्त हो रही है। यू0पी0 में कनेक्टिविटी के हजारों करोड़ रुपए के 5 मेगा प्रोजेक्ट्स पर एक साथ काम चल रहा है। आज पूर्वांचल हो, बुंदेलखंड हो, पश्चिमी उत्तर प्रदेश हो, डिफेंस कॉरिडोर में से एक हमारे उत्तर प्रदेश में ही बन रहा है। आधुनिक कनेक्टिविटी के विस्तार से किसानों और खेती को लाभ मिलता है। गांवों में आधुनिक सड़कों, आधुनिक चलतेफिरते कोल्ड स्टोरेज तथा हर कोने को एक्सप्रेसवे से जोड़ा जा रहा है। देश के 2 बड़े और आधुनिक किसान रेल से किसानों को नया बाजार मिल रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि जब भी लोग किसी स्थान पर आतेजाते हैं, तो यह देखते हैं कि यात्रा में कितना समय लगेगा। इस परियोजना के पूरा हो जाने से काशी और प्रयागराज की दूरी अब कम हो गई है। काशी को आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपहार मिला है। इसका लाभ काशी के साथ प्रयागराज को भी प्राप्त होगा।

हण्डिया से राजा तालाब तक लगभग 70 कि0मी0 के रास्ते में आनेजाने में दिक्कत होती थी। वर्ष 2013 में यह हाईवे सिर्फ 4लेन था। आज 6लेन हो गया है। इसका लाभ कांवड़ यात्रा सहित कुम्भ के दौरान भी मिलेगा। इस हाईवे के बन जाने से सुल्तानपुर और आजमगढ़ से आने जाने वाले भारी वाहन, काशी से बाहर बाहर सीधे निकल सकेंगे।

वाराणसी, लखनऊ, आजमगढ़ और गोरखपुर आनेजाने वाले लोगों को भी राहत मिलेगी। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि काशी के सुन्दरीकरण के साथ बेहतर कनेक्टिविटी पर भी कार्य हो रहा है।

काशी नए कलेवर के साथ वैश्विक मंच पर फिर से जगमगा रही: योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने भारत को दुनिया के सामने मजबूती के साथ प्रस्तुत किया है। भारत को आत्मनिर्भर बनाने, स्थानीय उत्पादों को आगे बढ़ाने, विकास योजनाओं का लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने का काम पूरी ईमानदारी के साथ हो रहा है। साढ़े तीन वर्षों में प्रधानमंत्री जी के आशीर्वाद से इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेण्ट के कार्यक्रम आगे बढ़े हैं। आज उसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश में हाई-वे निर्माण की गति 02 कि0मी0 प्रतिदिन तक पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा विश्वनाथ जी की इस पावन धरती काशी में अनेक योजनाओं को पूरा करने के लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। यह काशी के विकास की नई गौरवगाथा को आगे बढ़ाने की कहानी है, जिसके लिए काशी का प्रत्येक नागरिक वर्षों से सदियों से उतावला था। काशी अपनी पुरानी काया और नए कलेवर के साथ वैश्विक मंच पर एक बार फिर से जगमगा रही है। छह वर्षों के दौरान काशी में लगभग 18 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास हुआ।

ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बनाने जा रहा है चीन भारत-बांग्लादेश की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। चीन अपनी विस्तारवादी नीति को तेजी से अंजाम दे रहा है। ऐसे मे अब चीन तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक प्रमुख बांध का निर्माण करेगा और अगले साल से लागू होने वाली 14वीं पंचवर्षीय योजना में इससे संबंधित प्रस्ताव पर विचार किया जा चुका है। चीनी मीडिया के अनुसार, बांध बनाने का जिम्मा प्राप्त कर चुकी एक चीनी कंपनी के प्रमुख के हवाले से यह जानकारी प्राप्त हुई है।

चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स में छपी खबर के अनुसार पावर कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना के अध्यक्ष यांग जियोंग ने कहा कि कि चीन यारलुंग जंग्बो नदी के निचले हिस्से में जलविद्युत उपयोग परियोजना शुरू करेगा। और यह परियोजना जल संसाधनों और घरेलू सुरक्षा को मजबूत करने में मददगार हो सकती है। ग्लोबल टाइम्स ने रविवार को कम्युनिस्ट यूथ लीग ऑफ चाइना की केन्द्रीय समिति के वीचैट अकाउंट पर डाले गए एक लेख का हवाला देते हुए जानकारी दी कि यांग ने कहा है कि सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना देश की 14वीं पंचवर्षीय योजना (2021 25) तैयार करने के प्रस्तावों में इस परियोजना को शामिल करने और 2035 तक इसके जरिये दीर्घकालिक लक्ष्य हासिल करने पर विचार कर चुकी है। इस योजना के बारे में विस्तृत जानकारी अगले साल नेशनल पीपुल्स कांग्रेस द्वारा औपचारिक अनुसमर्थन किये जाने के बाद सामने आने की उम्मीद है। ब्रह्मपुत्र नदी भारत और बांग्लादेश से होकर गुजरती है। ऐसे में बांध निर्माण के प्रस्ताव से दोनों देशों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

हालांकि चीन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि वह उनके हितों को भी ध्यान में रखेगा। भारत सरकार नियमित रूप से अपने विचारों और चिंताओं से चीनी अधिकारियों को अवगत कराती रही है और भारत ने चीन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि नदी के ऊपरी हिस्सों में होने वाली गतिविधियों से निचली हिस्से से जुड़े देशों के हितों को नुकसान न हो।

भागलपुर में बदमाश को पकड़ने गई पुलिस टीम पर फेंका बम, 6 घायल

भागलपुर । भागलपुर जिले के कहलगांव के नदिया टोला में रविवार रात कुख्यात दिव्यांशु झा उर्फ सोनी झा और उसके सहयोगी लिटिल सिंह को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर बदमाशों ने बम से हमला कर दिया। इसमें छह पुलिसकर्मी और अधिकारी घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों को अनुमंडलीय अस्पताल में उपचार कराया गया।

सभी खतरे से बाहर हैं। इस दौरान पुलिस ने दोनों बदमाश को गिरफ्तार कर भारी संख्या में अवैध हथियार बरामद किया है। एसएसपी आशीष भारती ने प्रेस वार्ता कर बताया कि एसडीपीओ रेशू कृष्णा के नेतृत्व में पुलिस टीम छापेमारी करने गई थी। टीम के घर पहुंचते ही बदमाशों ने बम से हमला कर दिया। हालांकि, टीम ने छापेमारी जारी रखी और दिव्यांशु और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया। घर की तलाशी के दौरान निर्मित और अर्द्धनिर्मित हथियारों का जखीरा बरामद किया गया।

क्षेत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती आतंकवाद है, एससीओ की बैठक में भारत ने कहा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । भारत ने सोमवार को कहा कि क्षेत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती आतंकवाद है और इस खतरे के खात्मे से क्षेत्र को अपनी वास्तविक क्षमताओं को मूर्त रूप देने में मदद मिलेगी। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की परिषद की ऑनलाइन बैठक को संबोधित को करते हुए उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद के बारे में उल्लेख किया और मिलकर इस खतरे का मुकाबला करने का आह्वान किया। पाकिस्तान के एक स्पष्ट संदर्भ में नायडू ने कहा, हम विशेष रूप से उन देशों के बारे में चिंतित हैं जो एक राज्य नीति के साधन के रूप में आतंकवाद का फायदा उठाते हैं। उन्होंने कहा, क्षेत्र में हमारे सामने सबसे महत्वपूर्ण चुनौती आतंकवाद, विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद है। नायडू ने कहा कि आतंकवाद के खतरे का खात्मा करने से अपनी वास्तविक क्षमताओं को साकार करने में क्षेत्र को मदद मिलेगी। भारत 2017 में इस प्रभावशाली समूह का

पूर्ण सदस्य बना था और उसके बाद पहली बार बैठक की मेजबानी कर रहा है।

पाकिस्तान के एक अन्य संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एससीओ में जानबूझकर द्विपक्षीय मुद्दों को लाने के प्रयास किये गए और उन्होंने इसे सिद्धांतों और मानदंड़ों का उल्लंघन बताया।

सितंबर के मध्य में, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल एससीओ के सदस्य देशों के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की डिजिटल बैठक से उस वक्त बाहर निकल गए थे, जब पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने एक मानचित्र पेश किया, जिसमें कश्मीर को गलत तरीके से चित्रित किया गया था। बैठक के मानदंडों का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन करने के लिए भारत ने पाकिस्तान की आलोचना की थी।

हरियाणा में सरकारी स्कूलों के बच्चों को मिलेगा मुफ्त टैबलेट

नई दिल्ली । कोरोना महामारी के कारण अब हरियाणा सरकार सरकारी स्कूलों के बच्चों को मुफ्त में टैलबेट देने जा रही है। इस संबंध में सरकारी प्रवक्ता की तरफ से जानकारी दी गई। सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे कक्षा आठवीं से बारहवीं के सभी वर्ग के छात्र छात्राओं को डिजिटल एजुकेशन की सुविधा के लिए टैबलेट दिए जाएंगे। सरकारी स्कूलों के बच्चों को टैबलेट मिलने के बाद वह भी डिजिटल एजुकेशन ले सकेंगे।

मुख्यमंत्री कार्यालय की सूचना के अनुसार 8वीं से लेकर 12वीं तक के छात्रछात्राओं को उपलब्ध कराये जाने वाले निःशुल्क टैबलेट में स्टूडेंट्स के सिलेबस, डिजिटल स्टडी मैटेरियल और अन्य लर्निंग मैटेरियल पहले से इंस्टाल किया गया होगा। सीएमओ ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत बाहरवीं पास करने पर विद्यार्थियों को यह टैबलेट स्कूल को वापिस लौटाना होगा। इसमें प्रीलोडेड कटेंट के तौर पर डिजिटल पुस्तकों के साथसाथ विभिन्न प्रकार के टेस्ट, वीडियो और अन्य सामग्री भी रहेगी, जो सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रमों के अनुसार तथा कक्षावार होगी। सरकारी स्कूलों में दिया जाने वाला टैबलेट लाइब्रेरी व्यवस्था की तर्ज पर काम करेगा। सरकारी स्कूलों के बच्चों को पढ़ाई पूरी करने के बाद इसे वापस स्कूल शिक्षा विभाग को वापस उपलब्ध कराना होगा। 12 वीं पास करने के बाद विद्यार्थियों को यह स्कूल में जमा करना होगा।

ताहिर ने पेट में लात मारकर गिराया गर्भ कहा- लव जिहाद था मकसद, FIR दर्ज

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के बरेली में लव जिहाद के खिलाफ योगी सरकार का नया कानून लागू होने के बाद दूसरा मामला सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, ताहिर हुसैन नाम के एक व्यक्ति ने कुनाल शर्मा बनकर एक हिंन्दू लड़की को पहले अपने प्रेम प्रसंग में फंसाया फिर मंदिर में दिखावे के लिए शादी रचाई और उसे गर्भवती किया। जब लड़की ने शादी करने की बात कही तो ताहिर ने कहा कि इस्लाम धर्म में लव जिहाद होता है शादी नहीं।

पीड़ित लड़की ने लड़के की असलियत पता चलने पर थाने में एफआईआर दर्ज करा दी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी ताहिर को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता का कहना है कि वह इज्जतनगर में एक कंपनी में नौकरी करती है। बीते साल ही उसकी पहचान ताहिर से हुई। उसने बताया कि ताहिर ने नाम बदलकर उसे प्रेम जाल में फंसा लिया। शादी का झांसा देकर वो उसके साथ शारीरिक संबंध भी बनाता रहा। ताहिर की बिछाए जाल से अंजान पीड़िता आरोपी के साथ उसकी पत्नी बनकर रहने लगी। मामला तब बिगड़ा जब पीड़ित महिला गर्भवती हो गई और उसने ताहिर से कहा कि अब उनका बच्चा जन्म लेने वाला है और समय आ गया है कि वे अपनी शादी को सार्वजनिक करें और शादी का पंजीकरण कराएं। पीड़िता आरोपी ताहिर से लगातार शादी करने की मांग करती रही, लेकिन ताहिर ने उसकी एक न सुनी। जब पीड़िता के सारे प्रयास असफल साबित होने लगे तो उसने आरोपी ताहिर के घरवालों से उसकी शादी कराने की गुहार लगाई, लेकिन यहां भी पीड़िता के हाथ निराशा लगी। इतना ही नहीं ताहिर के परिवार से न्याय की उम्मीद रखने वाली पीड़िता के साथ उसके घरवालों ने जमकर मारपीट की उसके पेट और प्राइवेट पार्ट पर लातों से हमला किया और अंततः आरोपी का परिवार अपने मंसूबों में सफल हो गया, दरअसल मारपीट के दौरान उसका गर्भपात हो गया। पीड़िता का कहना है कि ताहिर ने कहा कि, उसका धर्म उसे शादी करने की इजाजत नहीं देता है। हम सिर्फ लव जिहाद को मानते हैं और हमारा धर्म भी यही कहता है। उसने कहा कि एक हिंदू महिला को गर्भवती करने पर हमें दस बार मदीना शरीफ जाने का सवाब प्राप्त होता है।

लव जेहादः वाजिद खान की पत्नी ने लगाया धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर करने का आरोप

नई दिल्ली। दिवंगत संगीतकार वाजिद खान की पत्नी कमलरुख खान ने दावा किया है कि इस्लाम स्वीकार करने से इंकार करने पर उनके सास ससुर ने उन्हें''भयभीत करने की रणनीति''अपनाते हुए''अलग थलग''करने की कोशिश की। संगीतकार साजिदवाजिद की जोड़ी के वाजिद खान का जून में निधन हो गया था। इंस्टाग्राम के असत्यापित खाते के जरिए अपना अनुभव साझा करते हुए कमलरुख ने कहा कि वह पारसी हैं और उन्होंने''दबंग''फिल्म के संगीतकार के साथ विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी की थी। सोशल मीडिया पर उपलब्ध विवरण के मुताबिक, कमलरुख मनोचिकित्सक हैं।

कमलरुख द्वारा शुक्रवार को जारी एक लंबी पोस्ट में कहा गया कि वह एक ऐसे परिवार में पलीबढ़ीं, जहां शिक्षा, विचार की स्वतंत्रता और''लोकतांत्रिक''मूल्यों को बढ़ावा दिया गया था लेकिन यह सब उनके पति के परिवार से मेल नहीं खाता था। कमलरुख ने दावा किया,''उन्हें एक शिक्षित और स्वतंत्र विचार वाली महिला स्वीकार्य नहीं थी और धर्मांतरण के दबाव का विरोध करना पाप जैसा था। मैंने हमेशा सभी उत्सवों का सम्मान किया, भागीदारी की और उन्हें मनाया।'' उन्होंने कहा,''लेकिन, धर्मांतरण से इंकार करना, मेरे और मेरे पति के बीच दूरियां बढने का कारण बनने लगा और पतिपत्नी के संबंधों के तौर पर इसे बर्बाद करने के लिए जहर भरा गया।'' सोलह वर्षीय बेटी अर्शी और नौ वर्षीय बेटे रेहान की मां कमलरुख ने कहा,''मैं अपने वैवाहिक जीवन के दौरान हर समय इस भयानक सोच से हर स्तर पर लड़ती रही।

इसका परिणाम यह हुआ कि मुझे मेरे पति के परिवार से अलगथलग किया गया और धर्मांतरण की साजिश के तहत तलाक के लिए अदालत तक ले जाया गया।'' कमलरुख के आरोपों पर प्रतिक्रिया के लिए कई बार वाजिद के भाई साजिद खान से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन संगीतकार की ओर से कोई जवाब प्राप्त नहीं हो सका।

बंगाल में BJP का आक्रामक हिंदुत्व अभियान, पर ममता ने निकाल ली काट

(विशेष संवाददाता)

कोलकाता । बंगाली बनाम बाहरी अभियान को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से उत्साहित तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के आक्रामक हिंदुत्व के अभियान की काट के तौर पर 2021 के विधानसभा चुनाव में बंगाली अस्मिता को अपना मुख्य चुनावी मुद्दा बनाने का फैसला किया है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी ने बंगाली उपराष्ट्रवाद की भावना का सहारा लेने का फैसला किया है। पार्टी के शीर्ष नेताओं के एक धड़े का मानना है कि भगवा खेमे के आक्रामक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के उभार के जवाब में क्षेत्रीय भावना का सहारा लिया जा सकता है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद सौगत राय ने पीटीआईभाषा से कहा, अगले विधानसभा चुनाव के दौरान विकास के अलावा बंगाली अस्मिता हमारा मुख्य चुनावी मुद्दा होगा। बंगाली अस्मिता केवल बंगालियों के बारे में

नहीं है इसमें सभी भूमि पुत्रों के लिए अपील है। इस विचारधारा के जरिए राज्य के लोगों को नियंत्रित करने के लिए बाहर से लाए गए नेताओं को थोपने के भाजपा के अभियान से मुकाबला करने में मदद मिलेगी। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक तमिलनाडु के क्षेत्रीय दल, महाराष्ट्र में शिवसेना की तरह ही तृणमूल कांग्रेस भी बांग्ला संस्कृति और पहचान के रक्षक के तौर पर उभरना चाहती है। तृणमूल कांग्रेस के नेता ने कहा, बिहार में जद(यू) ने बिहारी बनाम बाहरी की बात की थी। राष्ट्रवाद का सहारा लेने वाली भाजपा ने भी 2007 में गुजरात चुनाव में गुजराती अस्मिता की बात की थी। इसलिए अगर हम ऐसा करते हैं तो हमें लगता है कि किसी को इससे दिक्कत नहीं होनी चाहिए। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि विभाजनकारी राजनीति और धार्मिक ध्रुवीकरण का विकास की राजनीति से कभी मुकाबला नहीं किया जा सकता।

सांसद सिंधिया पहुंचे भोपाल, हारे मंत्रियों को मंत्री का दर्जा देने पर आज सीएम के साथ बातचीत

(विशेष संवाददाता)

भोपाल, 30 नवंबर । राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया 11 दिन बाद एक फिर सोमवार को दिल्ली से भोपाल पहुंच गए हैं। यहां उनकी दोपहर करीब 45 मिनट तक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान के साथ मीटिंग होने जा रही है, जिसे लेकर यह स्पष्ट हो गया है कि अब इस मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है और किसी भी वक्त यहां पर मंत्री मण्डल विस्तार हो सकता है।

इस उपचुनाव में ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थित 2 मंत्री एवं 01 अन्य कुल तीन मंत्रीगण हार गए थे, अब इन्हें फिर से निगम मंडलों में जगह देते हुए मंत्री का दर्जा देने की बात सामने आई है। इसमें दो मंत्री इमरती देवी और गिर्राज दंडोतिया हैं, वहीं सिंधिया खेमे से बाहर एदल सिंह कंषाना को भी मंत्री का दर्जा देने की कोशिश शिवराज सरकार की है। हालांकि सोमवार को भोपाल एयरपोर्ट

से बाहर निकलते हुए सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया के बीच स्पष्ट कहा है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान से मुलाकात के दौरान मंत्रिमंडल पर चर्चा नहीं होगी, यह सीएम का विशेष अधिकार है कि वह किसे मंत्री बनाएं अथवा नहीं।

सीएम शिवराज के साथ बैठक पर सिंधिया यह भी बोले हैं कि विकास के मुद्दों के साथ प्रदेश के अहम मुद्दों पर मंथन करेंगे, इसके अलावा कोई अन्य विषय बातचीत का नहीं है। लेकिन इसके बाद भी भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सिंधिया आज अपने दो पूर्व साथियों को मंत्री दर्जा दिलाने के साथ ही कई अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं को भी सरकार में जगह दिलाने पर चर्चा करने जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सांसद सिंधिया 19 नवम्बर को भोपाल आए थे। तब उपचुनावों का रिजल्ट आए आठ दिन ही बीते थे। उपचुनावों में 28 में से 19 सीटें भाजपा ने जीती हैं, जिसका श्रेय राजनीतिक स्तर पर ज्योतिरादित्य की कांग्रेस से हुई बगावत को दिया जाता है।

दरअसल, मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में जनता ने भाजपा के खिलाफ जनादेश दिया था, लेकिन पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के 22 समर्थकों ने इसी साल मार्च में विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर और कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। इससे कमल नाथ सरकार अल्पमत में आ गई और उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।